राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय
दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण रविवार 08 नवंबर 2026 वर्ष-9,अंक-278 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 151 वर्ष:

राष्ट्रपति मुर्मु ने देशवासियों को दी बधाई

नई दिल्ली।

राष्ट्रगीत वंदे मातरम ने अपनी रचना के 151 गौरवशाली वर्ष पूरे किए हैं। इस ऐतिहासिक मौके पर, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु सहित देश के कई प्रमुख नेताओं ने समस्त देशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। वंदे मातरम भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का एक प्रेरक गीत रहा है, इस गीत ने देशभक्तों के हृदय में साहस और एकता की भावना का संचार किया। आज भी यह गीत हमारी राष्ट्रीय अस्मिता और मातृभूमि के प्रति अटूट समर्पण का प्रतीक बना हुआ है।

राष्ट्रपति मुर्मु ने अपने जारी संदेश में कहा कि यह गीत स्वतंत्रता संग्राम के दौरान देशभक्तों के लिए साहस, एकता और संकल्प का उद्घोष था। उन्होंने कामना की कि देशवासी राष्ट्र-प्रथम की भावना को अपनाकर राष्ट्र निर्माण में अपना सक्रिय योगदान दें। राष्ट्रपति मुर्म ने इस अमर गीत को हमारी राष्ट्रीय अस्मिता, स्वाभिमान और मातृभूमि के प्रति समर्पण का चिरस्थायी प्रतीक बताया।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी तथा केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी राष्ट्रगीत की वर्षगांठ पर शुभकामनाएं दीं, इस राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता और मातृभूमि के गौरव का प्रतीक बताया। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने इस गीत को भारत की राष्ट्रीय चेतना का अमर स्वर कहा, जिसने स्वतंत्रता संग्राम में असंख्य लोगों को प्रेरित किया। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने वंदे मातरम को मां भारती के प्रति असीम श्रद्धा और राष्ट्र समर्पण का उद्घोष बताया, जिसने आजादी की अलख लाखों देशवासियों के अंदर जगा दी थी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गीत को भारत की आत्मा का उद्घोष और विकसित भारत का संकल्प बताया, साथ ही महान साहित्यकार बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय को नमन किया।



बिहार भाजपा अध्यक्ष संजय सरावगी ने भारत की आत्मा, स्वतंत्रता संग्राम के संघर्ष और असंख्य देशभक्तों के त्याग एवं बलिदान की अमर अभिव्यक्ति बताया, जिसकी प्रेरणा हर पीढ़ी में राष्ट्र के प्रति कर्तव्यबोध जगाती है।

पीएम मोदी ने देशवासियों को दी दीपावली की शुभकामनाएं, बोले-

प्रकाश का पर्व अंधकार के खिलाफ संकल्प का परिचय

नई दिल्ली।

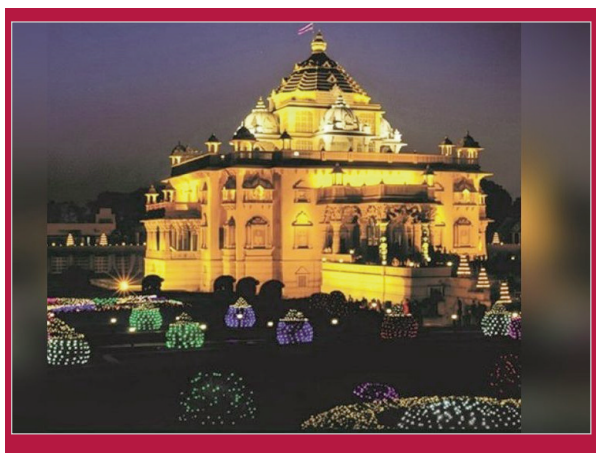
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को देशवासियों को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो संदेश जारी कर कहा कि दीपावली का पावन पर्व पूरे देश को रोशनी से जगमगा रहा है और प्रकाश का यह पर्व अंधकार के खिलाफ हमारे संकल्प का परिचय देता है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने वीडियो संदेश में कहा, नमस्ते। दीपावली का पावन पर्व, पूरा देश रोशनी से जगमगा रहा है। प्रकाश का ये पर्व अंधकार के खिलाफ हमारे संकल्प का परिचय है। आप सबको दीपावली की मेरी बहुत-बहुत शुभकामनाएं। आपका ये पर्व, आपका आगे का समय, सब कुछ सुख, शांति और समृद्धि से भरा हुआ रहे। उन्होंने कहा कि वह भी देशवासियों की तरह बड़े उत्साह के साथ दीपावली मनाते हैं। हर वर्ष देश के वीर जवानों के बीच दीपावली मनाने की अपनी परंपरा का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इस बार भी यह सिलसिला जारी रहेगा। पीएम मोदी ने कहा, ÷मैं आपकी तरह बड़े उत्साह से दीपावली मनाता हूं और हर वर्ष आप जानते हैं, देश के वीर जवानों के बीच में जाना मेरा नित्य क्रम है, इस बार भी जारी रहेगा। आप सबको दीपावली की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने 6 नवंबर को धनतेरस के अवसर पर भी देशवासियों को शुभकामनाएं दी थीं। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर



भगवान धन्वंतरि की कृपा से सभी के जीवन में सुख, शांति और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की थी।

प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में लिखा था, सभी देशवासियों को धनतेरस की अनंत शुभकामनाएं।

पहला कॉलम



अमेरिका से कनाडा तक दीपावली की धूम, जगमग हुए शहर

वाशिंगटन। न्यू जर्सी के ओक ट्री रोड पर रामलीला, शिकागो के पास शानदार आतिशबाजी और टोरंटो में स्ट्रीट मेले ने दीपावली के प्रति बढ़ते रुझान का संकेत दिया। अमेरिका और कनाडा में दीपोत्सव की धूम देखने को मिल रही है। लोग संगीत, मिठाइयों और आपसी मेल-जोल के साथ इस पर्व को मना रहे हैं। इन भव्य आयोजनों ने इस पर्व को अब सिर्फ घरों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि यह त्योहार आस-पड़ोस और शॉपिंग इलाकों तक पहुंच गया है। रविवार (8 नवंबर) को दिवाली होने के कारण, इस वीकेंड पर मंदिरों में उत्सव, खास दावतें और रोशनी से सजे सार्वजनिक स्थल देखने को मिलेंगे। इससे पहले भी कई कार्यक्रमों के जरिए न्यूयॉर्क के जैक्सन हाइट्स और न्यू जर्सी के इंडियन शॉपिंग कॉरिडोर में परिवारों को एक साथ आने का मौका मिला है। क्वींस के जैक्सन हाइट्स में, 'इंडियन मर्चेंट्स एसोसिएशन' ने 1 नवंबर को 37वें एवेन्यू और 37वें रोड के बीच, 74वीं स्ट्रीट पर एक मेले का आयोजन किया। इस स्थानीय कार्यक्रम में लाइव म्यूजिक और परिवारों व दोस्तों के लिए जश्न मनाने की व्यवस्था थी। न्यू जर्सी के इसेलिन में ओक ट्री रोड पर, 'राज ज्वेल्स' की पार्किंग में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें रामलीला, संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां शामिल थीं। इस उत्सव में पंडित सत्य नारायण चरका और शास्त्रीय संगीत-नृत्य में प्रशिक्षित 40 कलाकारों ने रामलीला का मंचन किया। शानदार वेशभूषा, नृत्य और अंग्रेजी में सुनाई गई कथा के माध्यम से भगवान राम की कहानी दर्शकों के सामने पेश की गई। 'पैच' की शुक्रवार की रिपोर्ट के अनुसार, एडिसन में शनिवार को 'पापियानी पार्क' में वार्षिक दिवाली उत्सव मनाया जाएगा। इसमें दीये जलाना, सांस्कृतिक नृत्य, खाने-पीने के स्टॉल, और मुफ्त चाय व मेहंदी जैसी सुविधाएं होंगी। यहां 1 लाख से अधिक रोशनियां लगाने की योजना है, और शाम का समापन 'पटेल ब्रदर्स' द्वारा प्रायोजित ड्रोन शो और आतिशबाजी के साथ होगा।

जलवायु परिवर्तन से भारत की खाद्य सुरक्षा पर संकट, छह राज्यों में सूखा

हर साल 13 अरब डॉलर का खाद्य नुकसान

नई दिल्ली। दुनिया में जलवायु परिवर्तन का बढ़ता प्रभाव अब भारत की कृषि व्यवस्था और खाद्य सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बन रहा है। बढ़ते तापमान, अनियमित मानसून, सूखा और बाढ़ जैसी चरम मौसमी घटनाओं से फसल उत्पादन को सीधे तौर पर प्रभावित कर रही है। नई रिपोर्ट के मुताबिक, भारत को हर साल करीब 13 अरब अमेरिकी डॉलर का खाद्य नुकसान उठाना पड़ रहा है। इसकी बड़ी वजह कमजोर भंडारण, परिवहन और कोल्ड चेन व्यवस्था है। रिपोर्ट में बताया गया है कि देश के छह राज्यों में सूखे की घोषणा हो चुकी है। रिपोर्ट के अनुसार जलवायु परिवर्तन का असर अब केवल खेतों तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरी खाद्य आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित हो रही है। इससे किसानों की आमदनी घटने के साथ बाजार में खाद्य पदार्थों की उपलब्धता और कीमतों पर भी असर पड़ रहा है। रिपोर्ट में दिल्ली की आजादपुर मंडी का उदाहरण देकर बताया गया है कि वर्ष 2024 में अत्यधिक गर्मी के कारण एक फल विक्रेता को एक ही दिन में एक लाख रुपये से अधिक का नुकसान हुआ। सामान्य परिस्थितियों में दो दिन तक सुरक्षित रहने वाले आम गर्मी के कारण एक दिन में ही खराब हुए थे। जलवायु परिवर्तन विशेषज्ञ के अनुसार, देश में करीब एक-तिहाई फल और सब्जियां उपभोक्ताओं तक पहुंचने से पहले ही खराब हो जाती हैं। गर्मी का असर दूध उत्पादन और मिट्टी की गुणवत्ता पर पड़ रहा है।

दिवाली में देशभर में बिक्री 7 लाख करोड़ रुपए के पार पहुंचने की उम्मीद;

दिल्ली में 1 लाख करोड़ रुपए का आंकड़ा पार- कैट

नई दिल्ली।

दिवाली और धनतेरस के मौके पर देशभर के बाजारों में इस वर्ष जबरदस्त खरीदारी देखने को मिली है। कैट यानी कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (सीएआईटी) द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में दिवाली से संबंधित व्यापार रिकॉर्ड 1 लाख करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर चुका है, जबकि देशभर में कुल बिक्री 7 लाख करोड़ रुपए के स्तर को पार करने की ओर अग्रसर है।

कैट द्वारा शनिवार को जारी एक बयान के अनुसार, इस वर्ष सोना, चांदी और आभूषणों से लेकर इलेक्ट्रॉनिक सामान तथा घरेलू उपकरणों तक लगभग सभी प्रमुख श्रेणियों में मजबूत मांग दर्ज की गई। मोबाइल फोन, एलईडी टेलीविजन, रेफ्रिजरेटर, वॉशिंग मशीन और एयर कंडीशनर जैसे उत्पादों की बिक्री में उल्लेखनीय तेजी देखी गई।

कपड़ा और फैशन क्षेत्र ने भी शानदार प्रदर्शन किया। साड़ियां, सूट, कुर्ते, रेडीमेड परिधान, बच्चों के कपड़े और पारंपरिक परिधानों की बिक्री में बड़ा उछाल दर्ज किया गया। इसके अलावा मिट्टी के दीये, भगवान गणेश और माता लक्ष्मी की मूर्तियां, पूजा सामग्री, मिठाइयां और अन्य खाद्य उत्पादों की मांग भी काफी बढ़ी।

ऑटोमोबाइल क्षेत्र में भी खरीदारों की अच्छी भागीदारी रही। कारों, दोपहिया वाहनों और



वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में सकारात्मक रुझान देखने को मिला। वहीं खादी, हथकरघा उत्पाद, हस्तशिल्प वस्तुएं, स्थानीय कारीगरों द्वारा बनाए गए उत्पाद और महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार सामानों की बिक्री में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई।

कैट के महासचिव और सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि अब तक प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में दिवाली से संबंधित कारोबार 1 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो चुका है, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर यह आंकड़ा 6 लाख करोड़ रुपए को पार कर चुका है। उन्होंने कहा कि बाजारों में लगातार बढ़ती ग्राहकों की भीड़ और मजबूत खरीदारी रुझान को देखते हुए कुल कारोबार 7 लाख करोड़ रुपए से अधिक होने की संभावना है।

फ्रांस ने देने से किया इंकार.....

डीआरडीओ ने तैयार किया स्वदेशी गैलियम नाइट्राइड सेमीकंडक्टर

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि

नई दिल्ली ।

भारत ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के वैज्ञानिकों ने स्वदेशी गैलियम नाइट्राइड (जीएएन) सेमीकंडक्टर तकनीक विकसित कर ली है। यह वही अत्याधुनिक तकनीक है, जो कि वर्ष 2016 में राफेल लड़ाकू विमान सौदे के दौरान फ्रांस ने भारत को देने से इंकार किया था। इस तकनीक का इस्तेमाल आधुनिक रडार, इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर, मिसाइल प्रणालियों और सैन्य संचार उपकरणों में किया जाता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, डीआरडीओ की दिल्ली स्थित सॉलिड स्टेट फिजिक्स लेबोरेटरी (एसएसपीएल) और हैदराबाद स्थित गैलियम आर्सेनाइड टेक्नोलॉजी इनेबलिंग सेंटर (जीएईटीईसी) ने मिलकर यह तकनीक विकसित की है। इसके जरिए भारत ने जीएएन आधारित हाई इलेक्ट्रॉन मोबिलिटी ट्रांजिस्टर (एचईएमटीएस) और मोनोलिथिक माइक्रोवेव इंटीग्रेटेड सर्किट (एमएमआईसीएस) बनाने की क्षमता हासिल की है।

दरअसल, वर्ष 2016 में भारत और फ्रांस के बीच राफेल लड़ाकू विमानों का समझौता हुआ था। उस दौरान भारत ने 50 प्रतिशत ऑफसेट व्यवस्था के तहत जीएएन तकनीक हासिल करने की मांग की थी, लेकिन फ्रांस ने इस संवेदनशील सैन्य तकनीक बताकर साझा करने से इंकार किया था।

सुप्रीम कोर्ट ने 60 साल पुराने भाखड़ा-ब्यास जल विवाद का किया निराकरण

पंजाब और हरियाणा अगले 20 साल तक हिमाचल को देंगे 598 मिलियन यूनिट बिजली

नईदिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट ने भाखड़ा-नांगल और ब्यास जल-विद्युत परियोजनाओं से जुड़े हिमाचल प्रदेश, पंजाब और हरियाणा के बीच चल रहे 60 साल पुराने बिजली बंटवारे के विवाद का पूरी तरह से समाधान कर दिया है। इस ऐतिहासिक फैसले में, सुप्रीम कोर्ट ने अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी की देखरेख में हुए एक बगैर नकद लेनदेन वाले समझौते को मंजूरी दी है, जिसके तहत दशकों पुराने इस मामले को हमेशा के लिए खत्म कर दिया गया है।

सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस



जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी मोहना की पीठ ने पंजाब और हरियाणा को निर्देश दिया है कि वे अगले 20 सालों तक हर साल अक्टूबर से मार्च के बीच हिमाचल प्रदेश को 598 मिलियन यूनिट बिजली की आपूर्ति करें। यह निर्देश 2011 में हिमाचल के पक्ष में आए सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद भी बकाया बिजली की गणना और निपटारे में हुई देरी को ध्यान में रखते हुए दिया गया है। पीठ ने इस बात पर चिंता व्यक्त की कि करीब 15 साल बीत जाने के बावजूद हिमाचल को उसका हक नहीं मिल पाया था। कोर्ट ने भारत के महान्यायवादी द्वारा प्रस्तावित गणना ढांचे को स्वीकार करते हुए 13,066 मिलियन यूनिट की कुल बकाया ऊर्जा का निपटान बगैर नकद लेनदेन के करने का आदेश दिया। इसमें हिमाचल प्रदेश की 420.77 करोड़ रुपए की पूंजी-लागत देनदारी को करीब 1,093 मिलियन यूनिट बिजली के बदले समायोजित किया गया है। शेष करीब 11,973 मिलियन यूनिट बिजली पंजाब और हरियाणा राज्यों द्वारा बीस लीन सीजन के दौरान उपलब्ध कराई जाएगी।

दीपावली पर जवानों के साथ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, सिक्किम के शेरथांग में श्रद्धांजलि दूंगा

नई दिल्ली ।

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह दीपावली पर देश की सीमाओं की रक्षा कर रहे बहादुर जवानों के बीच जा रहे है। उन्होंने एक्स पर साझा किया कि दीपावली की पूर्व संध्या पर, वे दार्जिलिंग के बागडोगरा एयरफील्ड और सुकना (सिलीगुड़ी) में भारतीय सेना के जवानों से मुलाकात कर उनका हौसला बढ़ाएंगे। इसके बाद, 8 नवंबर को दीपावली के शुभ मौके पर, केंद्रीय रक्षा मंत्री सिक्किम स्थित ऐतिहासिक शेरथांग युद्ध स्मारक का दौरा करुंगा। यहां वे देश की सेवा में अपने प्राण न्यौछावर करने वाले वीर सपूतों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करुंगा और इस दुर्गम क्षेत्र में तैनात सैनिकों से मिलकर संवाद करुंगा और उनकी चुनौतियों को समझने के साथ उनका मनोबल बढ़ाएंगे।

सिक्किम का यह शेरथांग युद्ध स्मारक, जो कि वाटरशेड शहीद युद्ध स्मारक के नाम से जाना जाता है, पूर्वी सिक्किम में भारत-चीन सीमा पर नाथू ला दर्रे के समीप स्थित अत्यंत महत्वपूर्ण और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है। यह स्मारक विशेष रूप से उन भारतीय सेना के शहीदों और युद्ध नायकों की स्मृति और सम्मान में



बनाया गया है, जिन्होंने वर्ष 1967 में नाथू ला और चो ला क्षेत्रों में चीनी सेना के खिलाफ हुए संघर्षों में अदम्य साहस का परिचय देकर अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान दिया था। यह स्थल हमारे सैनिकों की असाधारण वीरता और देशप्रेम की कहानी कहता है। करीब 13,000 फीट की अत्यधिक ऊंचाई पर स्थित यह स्मारक, भारतीय सैनिकों की उस दृढ़ता और बहादुरी का जीवंत प्रमाण है, जिसके साथ वे दुर्गम मौसम और चुनौतीपूर्ण भौगोलिक परिस्थितियों में भी देश की सीमाओं की रक्षा करते हैं। यह गंगटोक से करीब 52 किलोमीटर दूर, प्रसिद्ध चांगू झील (त्सोमगो झील) और न्यू बाबा मंदिर के समीप नाथू ला जाने वाले मार्ग पर मौजूद है।

साइबर खतरे के अलर्ट से 30 से ज्यादा सरकारी वेबसाइटें बंद

जेल-राजस्व और ऊर्जा विभाग का कामकाज ठप, अगले 4-5 दिन तक ऑनलाइन सेवाएं बहाल होने की उम्मीद नहीं

भोपाल।

मध्यप्रदेश के सरकारी विभागों की साइबर सुरक्षा पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। साइबर अटैक की आशंका के चलते प्रदेश के 30 से ज्यादा सरकारी विभागों की वेबसाइट और पोर्टल पिछले एक सप्ताह से बंद हैं।

इनमें जेल, राजस्व, ऊर्जा, उद्योग और सहकारिता जैसे महत्वपूर्ण विभाग शामिल हैं। वेबसाइटें बंद होने से विभागीय कामकाज प्रभावित हो रहा है। ऑनलाइन सेवाएं ठप होने के कारण फिलहाल सरकारी कामकाज ऑफलाइन माध्यम से किया जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक, मध्यप्रदेश साइबर इमरजेंसी रिस्पांस टीम ने सरकारी वेबसाइटों की सुरक्षा को लेकर एडवाइजरी जारी की थी। इसमें बताया गया कि कई विभागों की वेबसाइट पुराने पीएचपी वर्जन और फ्रेमवर्क पर संचालित हो रही हैं। इनमें सुरक्षा संबंधी खामियां हैं, जिनका फायदा उठाकर हैकर सिस्टम में सेंध लगा सकते हैं। एडवाइजरी के बाद संभावित साइबर हमले और डेटा की सुरक्षा को देखते हुए संबंधित वेबसाइटों को एहतियातन बंद करने का फैसला लिया गया। हालांकि, अभी तक किसी सफल साइबर हमले या डेटा चोरी की पुष्टि की जानकारी सामने नहीं आई है।

जेल से लेकर ऊर्जा विभाग तक प्रभावित

वेबसाइट बंद होने का असर कई महत्वपूर्ण विभागों पर पड़ा है। इनमें गवर्नमेंट प्रेस, जेल विभाग, राजस्व विभाग, ऊर्जा विभाग, उद्योग विभाग और सहकारिता विभाग प्रमुख हैं।

इनके अलावा भी 30 से ज्यादा सरकारी वेबसाइट और पोर्टल प्रभावित बताए जा रहे हैं। ऑनलाइन व्यवस्था बंद होने से विभागों को रोजमर्रा के कामकाज में परेशानी हो रही है। नागरिकों और हितग्राहियों को भी ऑनलाइन सेवाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। विभागों में फिलहाल ऑफलाइन प्रक्रिया के जरिए काम निपटाए जा रहे हैं।

सर्वर और डेटाबेस अपग्रेड करने में लगेंगे 4-5 दिन

सुरक्षा खामियों को दूर करने के लिए संबंधित विभागों के तकनीकी विशेषज्ञ और एमपीसीईआरटी की टीम काम कर रही है। वेबसाइटों के सॉफ्टवेयर, डेटाबेस और सर्वर को अपग्रेड किया जा रहा है। अधिकारियों के मुताबिक, सुरक्षा मानकों को दुरुस्त करने में अभी 4 से 5 दिन का समय और लग सकता है। इसके बाद ही वेबसाइटों को दोबारा शुरू करने की स्थिति बन पाएगी। इसका मतलब है कि अगले कुछ दिनों तक सरकारी विभागों की ऑनलाइन सेवाओं के लिए आम लोगों को इंतजार करना पड़ सकता है।

डिजिटल व्यवस्था की सुरक्षा पर सवाल

सरकारी कामकाज को ऑनलाइन करने के लिए करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं। विभागों की सेवाएं पोर्टल के माध्यम से उपलब्ध कराने पर जोर है, लेकिन पुराने सॉफ्टवेयर और सुरक्षा खामियों के कारण इतनी बड़ी संख्या में वेबसाइटों का एक साथ बंद होना डिजिटल व्यवस्था की तैयारी पर सवाल खड़े करता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

धनतेरस से भाई दूज तक छह दिनों का दीपोत्सव महाकुंभ 2026! दुनियाँ में भारतीय संस्कृति का डंका!

(लेखक-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी)

दीपावली का वैश्विक महाविस्तार !अयोध्या से अमेरिका तक दीपों की जगमगाहट,व्हाइट हाउस में ट्रंप का दीपोत्सव, भारतीय संस्कृति के सामने दुनियाँ नतमस्तक? -छह दिनों के महापर्व में धन्वंतरि से लक्ष्मी-गणेश, गोवर्धन और भाई दूज तक छिपा है जीवन का महान दर्शन! सनातन संस्कृति, वैदिक ज्ञान,आरोग्य, गौसेवा, पर्यावरण और पारिवारिक रिश्तों का अद्भुत संगम! -समग्र व्यापक महा-विश्लेषण

धनतेरस का धमाल,दीपावली की जगमगाहट और भाई दूज के रिश्तों की मिठास !अमेरिका के व्हाइट हाउस तक पहुंची भारतीय परंपरा, ट्रंप सहित पांच राज्यों के गवर्नर और 20 से अधिक मेयर भी हुए भारतीय संस्कृति के मुरीद आस्था,अध्यात्म, आरोग्य,समृद्धि और पर्यावरण संरक्षण का वैश्विक संदेश!

भारतीय संस्कृति का वैश्विक सम्मान! धनतेरस से भाई दूज तक छह दिनों का महापर्व, बाजारों में धनवर्षा की उम्मीद, प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती और बुजुर्गों के सम्मान का अनूठा संदेश!व्हाइट हाउस में ट्रंप का दीप प्रज्वलन, अमेरिकी गवर्नरों और मेयरों का उत्सवी स्वागत क्या दीपावली अब दुनियाँ का सांस्कृतिक महापर्व बन रही है?

वैश्विक स्तरपर धनतेरस से दीपावली और भाई दूज तक- छह दिनों का आध्यात्मिक,सांस्कृतिक और सामाजिक महोत्सव 6 नवंबर 2026 शुक्रवार को धनतेरस के साथ छह दिवसीय दीपोत्सव का शुभारंभ हो गया है,जिसका समापन 11 नवंबर बुधवार को भाई दूज के साथ होगा।भारत में दीपावली केवल एक धार्मिक त्योहार नहीं,बल्कि हजारों वर्षों की सांस्कृतिक विरासत, वैदिक दर्शन,पारिवारिक एकता, आर्थिक गतिविधियों पर्यावरणीय चेतना और सामाजिक सद्भाव का अद्भुत संगम है।इस दौरान देश के महानगरों से लेकर छोटे कस्बों और गांवों तक बाजारों की रौनक,घरों की सजावट दीपों की जगमगाहट,पूजा-अर्चना और खरीदारी का उत्साह देखते ही बनेगा।धनतेरस पर सोना,चांदी, पीतल, तांबा और नए बर्तनों की खरीदारी की परंपरा भारतीय परिवारों में समृद्धि और शुभारंभ की कामना का प्रतीक है। इसी दिन भगवान धन्वंतरि की आराधना करके आरोग्य और दीर्घायु की मंगलकामना बहुत ही भावपूर्ण मन से की गई। इस प्रकार दीपोत्सव का पहला संदेश ही स्पष्ट है कि वास्तविक धन केवल संपत्ति नहीं,बल्कि स्वस्थ शरीर,प्रसन्न मन और संतुष्ट परिवार भी है। मैं एडवोकेट किशन षणमुख दास भावना की गोंदिया महाराष्ट्र 6 नवंबर 2026 को शाम 6 बजे बाजारों की ग्राउंड रिपोर्टिंग कर पाया कि धनतेरस से दीपोत्सव का शंखनाद हुआ,आस्था के साथ बाजारों में आर्थिक गतिविधियों का महाकुंभ!दीपावली का आगमन भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए भी विशेष महत्व रखता है।आभूषण वस्त्र,इलेक्ट्रॉनिक्स, वाहन,घरेलू उपकरण, मिठाइयों सजावटी सामग्री, मिट्टी के दीपकों और हस्तशिल्प से जुड़े व्यापारियों के लिए यह वर्ष का महत्वपूर्ण कारोबारी अवसर होता है।छोटेदुकानदारों,कारीगरों,कुम्हारों, महिला स्वयं सहायता समूहों और स्थानीय उत्पादकों को भी इस पर्व से रोजगार तथा आय के अवसर मिलते हैं। इसलिए दीपावली पर स्थानीय दुकानदारों और स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता देना आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में सार्थक कदम हो सकता है।हालांकि उत्सव की चमक के बीच अनावश्यक कर्ज,दिखावे और प्रतिस्पर्धात्मक खरीदारी से सटिका से बचना भी आवश्यक है।

साथियों,समृद्धि का वास्तविक अर्थ अपनी सामर्थ्य के अनुसार खर्च करना और खुशियां बांटना है।धन्वंतरि का अवतार और वैदिक दर्शन-आरोग्य ही जीवन का सबसे बड़ा धन!पौराणिक मान्यताओं के अनुसार समुद्र मंथन के दौरान भगवान धन्वंतरि अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे। उन्हें आयुर्वेद का प्रवर्तक और भगवान विष्णु का अंशावतार माना जाता है। धनतेरस पर उनकी पूजा का गहरा संदेश यह है कि मनुष्य को धन अर्जित करने के साथ अपने स्वास्थ्य की रक्षा को भी सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। भारतीय परंपरामें पंचमहाभूत अर्थात आकाश, वायु, अग्नि, जल और पृथ्वी को जीवन तथा प्रकृति का आधार माना गया है। इन तत्वों के संतुलन और स्वच्छ पर्यावरण के बिना स्वस्थ जीवन की कल्पना संभव नहीं।इसी दिन प्रदोषकाल में यमदीपदान, मां लक्ष्मी और कुबेर की पूजा की परंपरा भी प्रचलित है। दीपदान को जीवन में शुभता, सुरक्षा और सकारात्मकता के प्रतीक के रूप में देखा जाता है।

साथियों, दीपावली का वैदिक रहस्य- अंधकार पर प्रकाश और अज्ञान पर ज्ञान की विजय! दीपावली का आध्यात्मिक आधार केवल बाहरी रोशनी तक सीमित नहीं है।उपनिषदों में वर्णित प्रार्थना तमसो माँ ज्योतिर्गमय अर्थात हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो, इस पर्व के मूल दर्शन को अभिव्यक्त करती है। पौराणिक मान्यता के अनुसार भगवान श्रीराम चौदह वर्षों का वनवास पूरा करके और रावण पर विजय प्राप्त करके अयोध्या लौटे थे। उनके स्वागत में अयोध्या वासियों ने दीप प्रज्वलित किए और तभी से दीपोत्सव की परंपरा को विशेष प्रतिष्ठा प्राप्त हुई।मां महालक्ष्मी के आठ स्वरूपों आद्यालक्ष्मी, विद्यालक्ष्मी,सौभाग्यलक्ष्मी,अमृतलक्ष्मी कामलक्ष्मी, सत्यलक्ष्मी,भोगलक्ष्मी और योगलक्ष्मी की अवधारणा समृद्धि के व्यापक अर्थ को सामने रखती है। वास्तविक लक्ष्मी केवल धन-संपत्ति नहीं, बल्कि विद्या,सौभाग्य, सदाचार स्वास्थ्य, संतोष और आध्यात्मिक उन्नति भी हैं।इसी संदर्भ में प्रचलित वैदिक प्रार्थना कराग्रे वसते लक्ष्मी: करमध्ये सरस्वती' मनुष्य को अपने कर्म, ज्ञान और ईश्वर के प्रति श्रद्धा का महत्व समझाती है। हाथों से अच्छे कर्म करना, किसी जरूरतमंद की सहायता करना और दूसरों का अहित न करना ही इस दर्शन का व्यावहारिक स्वरूप है।



साथियों, लक्ष्मी-गणेश पूजन- धन के साथ सद्बुद्धि का अनिवार्य संगम! दीपावली की अमावस्या की रात्रि में महालक्ष्मी और भगवान गणेश की संयुक्त पूजा की परंपरा है।मां लक्ष्मी समृद्धि, वैभव और संपन्नता की प्रतीक हैं, जबकि गणेश जी बुद्धि, विवेक और शुभारंभ के अधिष्ठाता माने जाते हैं।इस पूजा का सामाजिक और आर्थिक संदेश अत्यंत महत्वपूर्ण है कि धन तभी कल्याणकारी बनता है, जब उसका उपयोग विवेक, ईमानदारी और लोकहित में किया जाए। सद्बुद्धि के बिना संपत्ति अहंकार, अनैतिकता और विनाश का कारण बन सकती है। इसलिए दीपावली हमें धन कमाने के साथ उसे सही दिशा में लगाने की प्रेरणा भी देती है।

साथियों, नरक चतुर्दशी- बुराइयों के अंत और आंतरिक शुद्धता का संदेश! छोटी दीपावली के रूप में प्रसिद्ध नरक चतुर्दशी को भगवान श्रीकृष्ण द्वारा नरकासुर के वध की पौराणिक कथा से जोड़ा जाता है। यह पर्व अन्याय, अहंकार और नकारात्मकता के विनाश का प्रतीक है। प्रात:काल अभ्यंग स्नान, दीप प्रज्वलन और धार्मिक अनुष्ठानों की परंपरा प्रचलित है। इस अवसर पर मनुष्य को अपने भीतर मौजूद क्रोध, ईर्ष्या, लोभ और द्वेष जैसी बुराइयों को समाप्त करने का संकल्प लेना चाहिए। यही आंतरिक स्वच्छता दीपोत्सव को वास्तविक अर्थ प्रदान करती है।

साथियों,गोवर्धन पूजा- गौसेवा अन्नकूट और प्रकृति संरक्षण का अनूठा संदेश! दीपावली के बाद कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा को गोवर्धन पूजा और अन्नकूट महोत्सव मनाया जाता है। भगवान श्रीकृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत उठाकर ब्रजवासियों की रक्षा करने की कथा प्रकृति,पर्यावरण और सामुदायिक एकता के महत्व को दर्शाती है। इस दिन गोबर से गोवर्धन पर्वत की प्रतीकात्मक आकृति बनाकर पूजा,परिक्रमा और अन्नकूट का आयोजन किया जाता है। गायों और बैलों को स्नान कराकर सजाया जाता है तथा धूप, दीप, पुष्प और माला से उनका पूजन किया जाता है। भारतीय ग्रामीण अर्थव्यवस्था में गोवंश का योगदान कृषि, दुग्ध उत्पादन और जैविक खाद के माध्यम से अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। गोवर्धन पूजा हमें प्रकृति के संसाधनों का सम्मान करने, पशुधन की रक्षा करने और अन्न का अपव्यय रोकने की प्रेरणा देती है। साथियों,भाई दूज-भाई-बहन के प्रेम,विश्वास और आजीवन रिश्ते का भावनात्मक महापर्व! छह दिवसीय दीपोत्सव का समापन 11 नवंबर को भाई दूज अथवा यम द्वितीया के साथ होगा। पौराणिक कथा के अनुसार सूर्यदेव की पत्नी छाया से यमराज और यमुना का जन्म हुआ था।

यमुना अपने भाई यमराज को बार-बार अपने घर भोजन के लिए आमंत्रित करती थीं। कार्तिक शुक्ल द्वितीया को यमराज बहन के घर पहुंचे तो यमुना ने उनका आदर-सत्कार किया और भोजन कराया। प्रसन्न होकर यमराज ने वरदान मांगने को कहा। यमुना ने प्रार्थना की कि इस दिन जो बहन अपने भाई को तिलक लगाकर भोजन कराए, उसके भाई को अकाल मृत्यु का भय न रहे। तभी से भाई दूज पर बहनें भाई के मस्तक पर मंगल तिलक लगाकर उसकी दीर्घायु, स्वास्थ्य और सुख-समृद्धि की कामना करती हैं। यह पर्व केवल भाई की सुरक्षा का प्रतीक नहीं, बल्कि बहन के सम्मान, स्नेह, सुरक्षा और दोनों के आजीवन भावनात्मक संबंधों का उत्सव भी है। आज के बदलते सामाजिक परिवेश में इसका संदेश और भी महत्वपूर्ण है कि भाई-बहन एक-दूसरे के सुख-दुख में साथ खड़े रहें और महिलाओं के सम्मान तथा सुरक्षा को पारिवारिक संस्कार का अनिवार्य हिस्सा बनाएं।

संपादकीय

संस्कृति रोकेगी प्रदूषण

दिवाली से पहले ही दिल्ली का प्रदूषण खतरनाक स्तर तक पहुंचना गंभीर चिंता का विषय है। कल्पना करना कठिन नहीं है कि दिवाली पर पटाखे छोड़े जाने के बाद क्या स्थिति होगी? कई स्थानों पर एक्यूआई का चार सौ पार कर जाना हमारे स्वास्थ्य की दृष्टि से भयावह संकट ही है। इन हालात पर सुप्रीम कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी करने के बावजूद कहा है कि पुराने उपाय नाकाफी हैं। हम बचाव की बात तब कर रहे हैं जब एक्यूआई चार सौ पार कर गया है। कोर्ट ने बार-बार कहा कि इस प्रदूषण को कम करने के लिये सांस्कृतिक बदलाव बड़ी भूमिका निभा सकता है। हम जश्न मनाएं लेकिन पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी के साथ। इसके लिये लोगों को जागरूक करने की जरूरत होगी। अदालत में चिंता जतायी गई कि दिवाली के पास वाहनों के बंपर-टू-बंपर चलने, जाम लगने व बढ़ती आवाजाही से प्रदूषण की समस्या सामने आती हैं। उसके मूल में हमारे दिखावे की संस्कृति भी है। ये जो गिफ्ट देने की संस्कृति है, उसे हमने स्टेटस सिंबल बना दिया है। जिससे सड़कों में अप्रत्याशित रूप से वाहनों की आवाजाही होती है। इस प्रवृत्ति को रोकने और सांस्कृतिक बदलाव से ही समस्या का समाधान संभव है। हालांकि, प्रदूषण नियंत्रण के मद्देनजर अदालती आदेश है कि दिल्ली ही नहीं बल्कि पूरे एनसीआर, जिसमें हरियाणा, उत्तर प्रदेश व राजस्थान के कई जिले शामिल हैं, में सात से आठ नवंबर को सुबह छह से सात और रात को आठ से दस बजे तक ही ग्रीन पटाखे छोड़ने की अनुमति होगी। साथ ही अस्पतालों- स्कूलों के तीन सौ मीटर दायरे में रोक लगाई गई है। लेकिन सवाल यह है कि क्या हम इतने ईमानदार हैं कि इस अवधि में केवल ग्रीन पटाखे ही चलाएंगे? क्या दुकानदार ग्रीन पटाखों की आड़ में घातक पटाखे नहीं बेचेंगे? अदालत में बताया गया कि दिल्ली में प्रदूषण की ऐसी हालत है कि हवा में सांस लेना तीस सिगरेट पीने के बराबर है। दिल्ली में घातक प्रदूषण और दिवाली के मद्देनजर स्वत- संज्ञान लेते हुए सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश वाली बैंच ने जहां गहरे तंज किए हैं, वहीं मार्गदर्शक सलाह भी दी है। बाकायदा सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची व जस्टिस वी.मोहना की पीठ ने कहा कि उम्मीद है कि आप सभी दिल्ली-एनसीआर के मौसम का आनंद ले रहे होंगे। वरिष्ठ अधिवक्ता अमिकस क्यूरी अपराजिता सिंह ने कोर्ट को बताया कि प्रदूषण का स्तर इतना गंभीर है कि हमारी आवाज बैठ रही है। अदालत ने बल दिया कि दिवाली मनाने के साथ-साथ प्रदूषण के प्रति जागरूकता बढ़ाना भी जरूरी है। कोर्ट ने स्वीकारा कि सिर्फ पाबंदियां लगाने से समस्या हल नहीं होगी बल्कि इससे नियमों के उल्लंघन के मामले और बढ़ सकते हैं। दिल्ली के लोग बहुत टेलेंटेड हैं, वे नये रास्ते निकाल लेते हैं। सीजेआई ने कहा कि हमें त्योहार की पुरानी परंपराओं और रीति-रिवाजों पर फिर से गौर करने की जरूरत है। त्योहार मनाते समय हमें पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का अहसास भी होना चाहिए। वहीं न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची ने टिप्पणी की कि यह मुद्दा त्योहारों के व्यवसायीकरण से भी जुड़ा है। दिवाली के संदर्भ में मुख्य न्यायाधीश ने एक संवेदनशील टिप्पणी आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को लेकर भी है। उन्होंने चेताया कि इस वर्ग को प्रदूषण फैलाने के लिये जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। यह वर्ग प्रदूषण का सबसे ज्यादा शिकार होता है। इनके लिये दिवाली का त्योहार जीविका की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण होता है। खासकर उन लोगों के लिये जिनकी आजीविका इस मौसमी काम व त्योहार पर निर्भर है। बल्कि सड़कों पर बढ़ती वाहनों की आवाजाही से इनका काम-धंधा बुरी तरह प्रभावित होता है।

हर एक घर में दीया भी जले, अनाज भी हो

(लेखक-कुमार कृष्णन)

दीपावली रोशनी का त्योहार है। घरों में दीप जलते हैं, बाजार सजते हैं, मिठाइयों की खुशबू फैलती है और लोग एक-दूसरे को शुभकामनाएं देते हैं। लेकिन इस उत्सव के बीच एक सवाल ऐसा भी है, जिसे अनदेखा नहीं किया जा सकता। क्या रोशनी का यह पर्व हर घर तक पहुंचता है? क्या उन घरों में भी दीपावली की खुशियां पहुंचती हैं, जहां दो वक्त की रोटी जुटाना मुश्किल है? क्या उस परिवार के लिए दीपावली का कोई अर्थ है, जिसके घर में दीप जलाने से पहले बच्चों के लिए भोजन की चिंता करनी पड़ती है? मशहूर शायर निदा फ़ाज़ली की गजल की दो पंक्तियां इसी सामाजिक विडंबना को हमारे सामने रखती हैं—

हर एक घर में दिया भी जले अनाज भी हो
अगर न हो कहीं ऐसा तो एहतिजाज भी हो।

इन पंक्तियों में दीपावली के उत्सव को देखने की एक व्यापक सामाजिक दृष्टि छिपी है। यहां दीप जलाने की खुशी के साथ पेट भरने की बुनियादी जरूरत को भी समान महत्व दिया गया है। शायर केवल यह कामना नहीं करते कि हर घर रोशन हो, बल्कि यह भी चाहते हैं कि हर घर में अनाज हो। यदि ऐसा नहीं है तो समाज को इस असमानता के विरुद्ध आवाज उठानी चाहिए। उर्दू का शब्द एहतिजाज विरोध और प्रतिवाद का भाव व्यक्त करता है। यानी जहां भूख और अभाव हैं, वहां केवल उत्सव मनाना पर्याप्त नहीं, बल्कि उस व्यवस्था पर सवाल उठाना भी जरूरी है, जो खुशहाली को सबके जीवन तक नहीं पहुंचा पाती।

दीपावली का सांस्कृतिक अर्थ अंधकार पर प्रकाश और असत्य पर सत्य की विजय से जुड़ा है। भारतीय परंपरा में यह पर्व आशा, उल्लास और नए आरंभ का प्रतीक है। लेकिन किसी भी त्योहार की सार्थकता केवल उसकी धार्मिक मान्यताओं और बाहरी सजावट से तय नहीं होती। उसका वास्तविक महत्व इस बात से भी तय होता है कि वह समाज के कमजोर, वंचित और जरूरतमंद लोगों के जीवन में कितनी खुशी और उम्मीद लेकर आता है। यदि किसी शहर के बाजार लाखों बिजली की रोशनियों से जगमगा रहे हों, लेकिन उसी शहर की झुग्गियों में रहने वाले परिवार भोजन और बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हों, तो उस चमक के भीतर एक गहरा सामाजिक अंधेरा मौजूद है।

निदा फ़ाज़ली की गजल का महत्व इसी बात में है कि वह उत्सव को सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ती है। वह खुशहाली को भविष्य के वादों में कैद रखने के बजाय वर्तमान में देखने की मांग करती है। उनकी एक और पंक्ति है—

रहेगी वादों में कब तक असीर खुश-हाली
हर एक बार ही कल क्यूँ कभी तो आज भी हो।

यह सवाल आज भी हमारे सामाजिक और आर्थिक जीवन के सामने खड़ा है। विकास, गरीबी उन्मूलन और समृद्धि के अनेक वादे किए जाते हैं। योजनाएं बनती हैं, घोषणाएं होती हैं और उपलब्धियों के आंकड़े प्रस्तुत किए जाते हैं। लेकिन आम आदमी के जीवन में इनका वास्तविक असर कितना पहुंचता है, इसकी कसौटी उसका रोजमर्रा का जीवन है। किसी परिवार के लिए खुशहाली का अर्थ केवल बढ़ती अर्थव्यवस्था के आंकड़े नहीं, बल्कि नियमित रोजगार, पर्याप्त भोजन, बच्चों की शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और सम्मानजनक जीवन है।

दीपावली के अवसर पर बाजारों की रौनक बढ़ जाती है। खरीदारी, उपहार और सजावट पर खूब खर्च होता है। उपभोग की संस्कृति ने इस पर्व को एक बड़े कारोबारी आयोजन में भी बदल दिया है। इसमें कोई संदेह नहीं कि त्योहारों से व्यापार, रोजगार और स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति मिलती है। कुम्हारों के मिट्टी के दीये, मिठाई बनाने वाले कारीगरों, छोटे दुकानदारों, फूल विक्रेताओं और असंख्य श्रमिकों की आजीविका भी इन अवसरों से जुड़ी होती है। लेकिन चिंता तब पैदा होती है, जब त्योहार की खुशी केवल क्रयशक्ति और प्रदर्शन से मापी जाने लगती है। जिनके पास अधिक धन है, उनके लिए उत्सव के साधन बढ़ते जाते हैं, जबकि सीमित आय वाले परिवार अपनी जरूरतों और इच्छाओं के बीच संतुलन बनाने में लगे रहते हैं।

हमें यह भी देखना चाहिए कि दीपावली की चमक के पीछे कितने लोगों का श्रम छिपा है। बाजारों को सजाने वाले मजदूर, घरों और दुकानों में रंग-रोगन करने वाले कामगार, दीये बनाने वाले कुम्हार, मिठाइयां तैयार करने वाले कारीगर और सफाई कर्मचारी त्योहार की तैयारी में अपना योगदान देते हैं। लेकिन क्या उनकी अपनी दीपावली भी उतनी ही खुशहाल होती है? क्या उन्हें उनके श्रम का उचित मूल्य और सम्मान मिलता है? जिस समाज में उत्सव का आनंद लेने वाले और उत्सव को संभव बनाने वाले लोगों के बीच इतनी दूरी हो, वहां सामाजिक समानता का प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है।

दीपावली का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि यह अंधकार से मुक्ति का प्रतीक है। लेकिन अंधकार केवल रात का नहीं होता। भूख, बेरोजगारी, अशिक्षा, बीमारी, जातिगत भेदभाव, सामाजिक बहिष्कार और आर्थिक शोषण भी समाज के अंधकार हैं। इनसे मुक्ति के बिना प्रकाश का उत्सव अधूरा है। मिट्टी का एक छोटा-सा दीप भी तभी अधिक अर्थवान बनता है, जब वह किसी जरूरतमंद के जीवन में आशा का उजाला पैदा करे। किसी गरीब परिवार को भोजन उपलब्ध कराना, किसी बच्चे की पढ़ाई में मदद करना, किसी बुजुर्ग की जरूरत पूरी करना और किसी बेरोजगार व्यक्ति को आजीविका का अवसर दिलाना भी दीपावली की भावना को व्यवहार में उतारना है। यहां गांधीजी के विचार भी याद आते हैं। गांधीजी के लिए समाज की प्रगति का मूल्यांकन इस आधार पर होना चाहिए कि विकास का लाभ सबसे कमजोर व्यक्ति तक कितना पहुंचा है। उनका अंतिम व्यक्ति का विचार हमें याद दिलाता है कि किसी भी व्यवस्था की नैतिक सफलता का पैमाना समाज का सबसे वंचित नागरिक होना चाहिए। दीपावली के अवसर पर इस विचार की प्रासंगिकता और बढ़ जाती है। जब तक समाज का अंतिम व्यक्ति सम्मान और सुरक्षा के साथ जीवन जीने की स्थिति में नहीं आता, तब तक समृद्धि का दावा अधूरा रहेगा। इस संदर्भ में किसानों और ग्रामीण समाज की स्थिति को भी समझना जरूरी है। भारत की बड़ी आबादी आज भी कृषि और उससे जुड़ी गतिविधियों पर निर्भर है। किसान अन्न पैदा करता है, लेकिन अनेक किसानों के सामने लागत, कर्ज, मौसम की अनिश्चितता और उपज के उचित मूल्य की चुनौतियां बनी रहती हैं। खेतों में अन्न उगाने वाले परिवारों के घरों में भी आर्थिक अभाव हो सकता है। यह विरोधाभास हमें सोचने पर विवश करता है कि अन्न उत्पादन करने वाले हाथों को ही यदि अपनी आजीविका के लिए संघर्ष करना पड़े, तो खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण खुशहाली के दावों की वास्तविक कसौटी क्या होनी चाहिए?

अज्ञान का आवरण



गुरू के पास डंडा था। उस डंडे में विशेषता थी कि उसे जिधर घुमाओ, उधर उस व्यक्ति की सारी खामियां दिखने लग जाएं। गुरू ने शिष्य को डंडा दे दिया। कोई भी आता, शिष्य डंडा उधर कर देता। सब कुरूप-ही-कुरूप सामने दीखते। अब भीतर में कौन कुरूप नहीं है? हर आदमी कुरूप लगता। किसी में प्रोध ज्यादा, किसी में अहंकार ज्यादा, किसी में घृणा का भाव, किसी में ईर्ष्या का भाव, किसी में द्वेष का भाव, किसी में वासना, उत्तेजना। हर आदमी कुरूप लगता। बड़ी मुसीबत, कोई भी अच्छा आदमी नहीं दिख रहा है।

उसने सोचा, गुरूजी को देखूं, कैसे हैं? गुरू को देखा तो वहां भी कुरूपता नजर आई। गुरू के पास गया और बोला कि महाराज! आप में भी यह कमी है। गुरू ने सोचा कि मेरे अस्त्रों का मेरे पर ही प्रयोग! गुरू आखिर गुरू था। उसने कहा कि डंडे को इधर-उधर घुमाते हो, कभी अपनी ओर भी जरा घुमाओ। घुमाकर देखा तो पता चला कि गुरू में तो केवल छेद ही थे, यहां तो बड़े-बड़े गड्ढे हैं। वह बड़े असमंजस में पड़ गया।

कहने का अर्थ यह कि हमारी इन्द्रियों की शक्ति सीमित है। दूर की बात नहीं सुन पाते। भीतर की बात नहीं देख पाते। बहुत अच्छा है, अगर कान की शक्ति बढ़ जाए तो आज की दुनिया में इतना कोलाहल है कि नींद लेने की बात ही समाप्त हो जाएगी। देखने की शक्ति बहुत पारदर्शी बन जाए तो इतने बीभत्स दृश्य हमारे सामने आएंगे कि फिर आदमी का जीना ही मुश्किल हो जाएगा। कुरूपता तो चेतना के भीतर होती है। प्रकृति की विशेषता है कि हमारा अज्ञान का आवरण टूट नहीं पा रहा है।

भारतीय शेयर बाजार की तेजीइट्ट दीपावली का उपहार या आर्थिक तूफान का संकेत?

(लेखक - सनत जैन)

भारतीय शेयर बाजार की किस्मत एक बार फिर पलटती दिखाई दे रही है। धनतेरस के दिन सेंसेक्स में 1,718 अंकों की जोरदार तेजी ने निवेशकों के चेहरे पर मुस्कान लौटा दी है। सेंसेक्स 81,028 और निफ्टी 25,030 के स्तर पर पहुंच गया। लगातार सात कारोबारी सत्रों की तेजी ने बाजार में दीपावली का उत्साह पैदा कर दिया है। सवाल यह है कि क्या यह तेजी भारतीय अर्थव्यवस्था की वास्तविक मजबूती का संकेत है, अथवा वैश्विक परिस्थितियों से पैदा हुआ अस्थायी अवसर है? पिछले आठ महीनों से भारतीय शेयर बाजार में लगातार उतार-चढ़ाव चल रहा था। विदेशी निवेशक भारतीय बाजार से हजारों करोड़ रुपये निकालकर दूसरे देशों में निवेश कर रहे थे। अब परिस्थितियां बदल रही हैं। अमेरिका के मध्यावधि चुनाव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी को करारी शिकस्त मिली है। इसके बाद अमेरिकी बाजार में राजनीतिक अनिश्चितता और एआई कंपनियों पर नियमन की आशंकाओं ने टेक्नोलॉजी और सेमीकंडक्टर कंपनियों के शेयरों को भारी नुकसान पहुंचाया है। चीन, जापान और अमेरिका के बाजारों में भी बिकवाली का दबाव है। दुनिया भर में एआई कंपनियों के भविष्य और उनके भारी निवेश और भारी खर्च पर सवाल उठ रहे हैं।

ऐसे समय में भारत, विदेशी निवेशकों के लिए एक नए अवसर के रूप में उभर रहा है। रिलायंस समूह के जियो आईपीओ ने भारतीय पूंजी बाजार की संभावनाओं को चर्चा में ला दिया है। हालांकि बाजार की मौजूदा तेजी का पूरा श्रेय जियो को देना उचित नहीं होगा। निवेशकों को रिलायंस समूह से हमेशा फायदा मिलता रहा है। भारतीय शेयर बाजार को अपने तरीके से संचालित करने में रिलायंस समूह की बड़ी भूमिका होती है। पिछले कुछ दिनों में बैंकिंग, ऑटोमोबाइल, फार्मा कंपनियों के अच्छे प्रदर्शन, विदेशी निवेश की वापसी और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी ने भी बाजार को मजबूती दी है। एक नई आशा भी निवेशकों के बीच देखने को मिल रही है। भारतीय रुपये में सुधार दिखाई दिया है। 6 नवंबर को रुपया डॉलर के मुकाबले 93.91 पर बंद हुआ, जो पिछले बंद स्तर से लगभग 56 पैसे मजबूत था। इस मजबूती के पीछे विदेशी पूंजी का प्रवाह और रिजर्व बैंक के हस्तक्षेप जैसे कारण भी हैं। विदेशी मुद्रा भंडार की स्थिति सरकार और रिजर्व बैंक की चिंता बढ़ा रही है। 30 अक्टूबर को सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 717.06 अरब डॉलर रह गया है। जबकि सितंबर में यह 785.71 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर था। रिजर्व बैंक द्वारा रुपये को संभालने के लिए डॉलर की बिक्री इसका एक बड़ा कारण है।

भारत के सामने महंगाई, बेरोजगारी, निवेश और घरेलू मांग बढ़ाने की चुनौतियां अभी बनी हुई हैं। वैश्विक राजनीति, अमेरिका की व्यापार नीतियां, पश्चिम एशिया का तनाव और इजराइल-ईरान संबंधों में बदलाव भी भारतीय अर्थव्यवस्था को भविष्य में प्रभावित कर सकते हैं। शेयर बाजार संभावनाओं पर चलता है। भारतीय अर्थव्यवस्था वास्तविकता के आंकड़ों से तय होती है। सेंसेक्स का 1,718 अंक चढ़ना, निश्चित रूप से निवेशकों के लिए दीपावली का बड़ा उपहार है। इसे आर्थिक संकट समाप्त होने का प्रमाण नहीं मानना चाहिए। इस तरह की तेजी के बाद मुनाफा वसूली का दौर भी शुरू होता है। जिसका असर बाजार में बड़ी तेजी के साथ पड़ता है। वैश्विक पूंजी का रुख कभी भी बदल सकता है। जिस तेजी से पैसा बाजार में आता है, उसी तेजी से बाहर भी जा सकता है। असली सवाल यह नहीं है कि शेयर बाजार कितना ऊपर जाएगा, बल्कि यह है, इस तेजी का लाभ देश के उद्योग, रोजगार, किसान, व्यापारी और आम उपभोक्ता तक कितना पहुंचेगा? यदि बाजार की चमक के साथ आम आदमी की आर्थिक स्थिति सुधरती है, महंगाई कम होती है, तभी इसे वास्तविक समृद्धि कहा जा सकेगा। अन्यथा यह तेजी भी बाजार के लिए एक अस्थायी उत्सव बनकर रह जाएगा। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 40 वर्षों के बाद इतनी तेजी के साथ गिरा है। विदेशी मुद्रा भंडार में इतनी बड़ी गिरावट ऐतिहासिक रूप से चिंता का विषय बन गया है। पिछले 40 वर्षों में विदेशी मुद्रा भंडार कभी भी इतनी तेजी के साथ नहीं घटा था। जिसके कारण अर्थशास्त्रियों की चिंता बढ़ गई है। भारत में जिस तरह का आयात-निर्यात में असंतुलन है। राजकोषीय घाटा लगातार बढ़ता जा रहा है। सरकार की आय का 40 फीसदी से ज्यादा राजस्व ब्याज और किस्तों के रूप में जा रहा है। ऐसी स्थिति में भारत सरकार की आर्थिक चुनौतियां दिन प्रतिदिन बढ़ती चली जा रही हैं। रिजर्व बैंक भी सरकार के दबाव में काम कर रहा है, यह चिंता की सबसे बड़ी बात है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बिड़लासॉफ्ट को मिले नए सीईओ व एमडी

नई दिल्ली ।

बिड़ला समूह की सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी बिड़लासॉफ्ट ने अपने शीर्ष नेतृत्व में अहम बदलाव की घोषणा की है। कंपनी ने शुक्रवार को अनुभवी माधवन हरिहरन को अपना नया मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक (एमडी) नियुक्त किया। हरिहरन 8 दिसंबर से अपना पदभार ग्रहण करेंगे। वह अंगन गुहा का स्थान लेंगे, जो अब विप्रो में अमेरिका-2 रणनीतिक बाजार इकाई का नेतृत्व करने जा रहे हैं। कंपनी के बयान के मुताबिक, माधवन हरिहरन ने पहले बिड़लासॉफ्ट में समूह के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) के रूप में कार्य किया है। इस दौरान उन्होंने रणनीतिक प्राथमिकताएं तय करने और कंपनी के प्रदर्शन में सुधार लाने में अहम भूमिका निभाई थी। बिड़लासॉफ्ट की चेयरपर्सन अमिता बिड़ला ने कहा कि समूह में विभिन्न नेतृत्वकारी भूमिकाओं और कारोबारी बदलाव लाने की उनकी क्षमता उन्हें इस पद के लिए उपयुक्त बनाती है।

अगले हफ्ते विदेशी निवेश, कच्चे तेल और महंगाई पर रहेगी निवेशकों की नजर

विदेशी निवेशकों की बंपर खरीदारी और ब्रेंट क्रूड में भारी गिरावट से बाजार में ऐतिहासिक तेजी

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार में संवत 2082 के आखिरी कारोबारी हफ्ते में जोरदार तेजी देखने को मिली, जहां निफ्टी करीब 8.6 फीसदी चढ़कर 25,030.35 के नए रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स में करीब 8.8 फीसदी और बैंक निफ्टी में करीब 8 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। विदेशी निवेशकों की जबरदस्त खरीदारी और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट ने प्रमुख सूचकांकों को लगातार सातवें सत्र में मजबूती प्रदान की। बीते हफ्ते भारतीय शेयर बाजार में विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की धमाकेदार वापसी हुई, जिन्होंने कुल 45,960 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी की। यह दस हफ्तों की लगातार बिकवाली के बाद आया एक बड़ा बदलाव है, जो निवेशकों के बदलते रुख का संकेत देता है। वहीं, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने इस दौरान 24,197 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की। बाजार की इस तेजी को कच्चे तेल की कीमतों में आई बड़ी गिरावट से भी सहारा मिला। ब्रेंट क्रूड 12 फीसदी से ज्यादा गिरकर 97-98 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया, जिसका मुख्य कारण अमेरिका में सकारात्मक संकेतों के बाद पश्चिम एशिया में तनाव कम होने की उम्मीदें रहीं। कच्चे तेल की यह गिरावट भारत के लिए राहत की बात है, जिससे महंगाई और कंपनियों की लागत पर दबाव कम हो सकता है। तकनीकी रूप से बाजार मजबूत स्थिति में है, निफ्टी अपने सभी महत्वपूर्ण एक्सपोनेंशियल मूविंग एवरेज से ऊपर कारोबार कर रहा है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि पिछले हफ्ते की तेज बढ़त के बाद बाजार में कुछ समय के लिए उतार-चढ़ाव या मुनाफावसूली देखने को मिल सकती है।

लाभांश की बहार- अगले हफ्ते 67 कंपनियों के शेयर देंगे लाभांश

9 से 13 नवंबर के बीच निवेशकों को कमाई का मौका

नई दिल्ली ।

अगले हफ्ते शेयर बाजार में निवेशकों के लिए कमाई का एक शानदार अवसर बन रहा है। 9 से 13 नवंबर के बीच कुल 67 कंपनियां अपने शेयरों को पूर्व-लाभांश करने जा रही हैं। इनमें हिंदुस्तान यूनिलीवर, डाबर इंडिया, ओएनजीसी और ऑरोबिंदो फार्मा जैसी कई दिग्गज कंपनियां शामिल हैं, जो निवेशकों को आकर्षक लाभांश का तोहफा देंगी। इस लाभांश बहार में बायर क्रॉपसाइंस सबसे ज्यादा 90 रुपये प्रति शेयर का अंतरिम लाभांश देने वाली है। सप्ताह की शुरुआत 9 नवंबर को डाबर इंडिया (3.50 रुपए) सहित कुछ कंपनियों के शेयरों के पूर्व-लाभांश होने के साथ होगी। इसके बाद, 11 नवंबर को ऑरोबिंदो फार्मा (7रुपए) और डॉ. लाल पैथलैब्स (5 रुपए) समेत कुल 19 कंपनियां सूची में शामिल होंगी। 12 नवंबर को हिंदुस्तान यूनिलीवर, बायर क्रॉपसाइंस, गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया और तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम के शेयर भी पूर्व-लाभांश हो जाएंगे। वहीं 13 नवंबर को ग्रेट ईस्टर्न शिपिंगसमेत सबसे अधिक कंपनियां लाभांश बांटेंगी। जानकारों के अनुसार, लाभांश का लाभ उठाने के लिए निवेशकों को पूर्व-लाभांश तिथि से कम से कम एक कारोबारी दिन पहले शेयर खरीदना चाहिए, क्योंकि पूर्व-लाभांश तिथि पर खरीदारी करने वाले निवेशक लाभांश के हकदार नहीं होते हैं। विशेषज्ञ यह भी सलाह देते हैं कि केवल लाभांश के लिए निवेश करने के बजाय, कंपनी की आर्थिक स्थिति, शेयर का मूल्यांकन और भविष्य की विकास संभावनाओं का भी आकलन करना महत्वपूर्ण है।

नवंबर की धमाकेदार शुरुआत! शेयर बाजार ने दिखाया दम,निवेशक मालामाल

सेंसेक्स 81,000 और निफ्टी 25,000 के पार, सप्ताहभर में रिकॉर्ड तोड़ उछाल

मुंबई ।

नवंबर 2026 का पहला सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए ऐतिहासिक साबित हुआ। वैश्विक बाजारों में अस्थिरता के बावजूद, घरेलू बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी ने अभूतपूर्व तेजी दर्ज करते हुए नए कीर्तिमान स्थापित किए। कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट, अमेरिका में मध्यावधि चुनावों के परिणाम और विदेशी निवेशकों की मजबूत खरीदारी के दम पर पूरे सप्ताह बाजार में शानदार रौनक देखने को मिली, जिससे निवेशकों का उत्साह चरम पर रहा। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को धमाकेदार रही, जब अमेरिकी-ईरान वार्ता में सफलता की उम्मीदों के चलते कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और रिलायंस इंडस्ट्रीज के मजबूत तिमाही नतीजों ने बाजार को शुरुआती तेजी दी।

सेंसेक्स 1,233 अंक से अधिक चढ़कर 75,692.78 पर और निफ्टी 387.70 अंक की बढ़त के साथ 23,440.80 पर बंद हुआ।

मंगलवार और बुधवार को भी यह तेजी बरकरार रही। अमेरिका में मध्यावधि चुनावों के सकारात्मक परिणामों खासकर डेमोक्रेटिक पार्टी द्वारा ब्लू स्वीप के संकेत तथा विदेशी संस्थागत निवेशकों के भारी निवेश ने बाजार के माहौल को पूरी तरह बदल दिया। कच्चे तेल की कीमतों में



लगातार नरमी ने भी बाजार को सहारा दिया, जिससे बुधवार को सेंसेक्स 77,219.65 और निफ्टी 23,911.70 पर बंद हुए। गुरुवार को बाजार में रिकॉर्ड-तोड़ उछाल देखने को मिली, जब सेंसेक्स 2,000 से अधिक अंक चढ़कर 79,310.01 पर और निफ्टी 24,536.60 पर बंद हुआ। अमेरिकी चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी की हार से पश्चिम एशिया में तनाव कम होने के अनुमानों ने भी बाजार को अतिरिक्त बल दिया। धनतेरस के शुभ अवसर पर शुक्रवार को भी तेजी का सिलसिला जारी रहा और भारतीय शेयर बाजार ने एक नया इतिहास रच दिया।

भारत में जल्द लॉन्च होगी होंडा की पहली इलेक्ट्रिक कार अल्फा

नई दिल्ली ।

भारतीय बाजार में होंडा कंपनी अपनी पहली इलेक्ट्रिक कार उतारने की तैयारी कर रही है। इस बहुप्रतीक्षित इलेक्ट्रिक एसयूवी का वैश्विक पदार्पण 2 दिसंबर को भारत में किया जाएगा। इस कार का नाम होंडा अल्फा होगा। कंपनी की घोषणा के अनुसार, होंडा इस कार का निर्माण राजस्थान के टपूकड़ा स्थित अपने संयंत्र में करेगी, जिससे यह संयंत्र इस मॉडल के लिए एक वैश्विक उत्पादन केंद्र के रूप में भी विकसित हो सकता है। होंडा अल्फा को कंपनी के 0 अल्फा कॉन्सेप्ट के आधार पर तैयार किया जा रहा है, जिसे अक्टूबर 2025 में प्रदर्शित किया गया था।

विशेषज्ञों के अनुसार, नई एसयूवी में कॉन्सेप्ट के विशिष्ट डिजाइन को काफी हद तक बरकरार रखा जाएगा, जिसमें एक लगभग सीधा खड़ा पिछला डिजाइन, मोटा सी-पिलर और एक बड़ा पिछला शीशा शामिल होगा। आगे के हिस्से में रोशनी वाला होंडा लोगो और चार्जिंग पोर्ट दिए जाने की संभावना है।

तकनीकी विवरणों का खुलासा अभी नहीं किया गया है, लेकिन जानकारों के अनुसार, इसे लगभग 65 किलोवाट-घंटे से 75 किलोवाट-घंटे की क्षमता वाले दो एलएफपी बैटरी विकल्पों के साथ पेश किया जा सकता है। शुरुआत में इसमें एक इलेक्ट्रिक मोटर और आगे के पहियों को शक्ति देने वाली व्यवस्था मिलने की उम्मीद है। केबिन के अंदर एक बड़ी टचस्क्रीन और चालक के लिए एक डिजिटल डिस्प्ले दी जा सकती है। इसमें तीन स्पोक वाला फ्लैट-बॉटम स्टीयरिंग व्हील और वातानुकूलन व हवादार सीटों जैसी सुविधाओं को नियंत्रित करने के लिए भौतिक बटन भी मिलेंगे।

अब बायोमेट्रिक, वोटर आईडी होगा पहचान का नया आधार

पशुपालन और डेयरी मंत्री ने दिए संकेत

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार अपनी विभिन्न सरकारी योजनाओं में लाभार्थियों की पहचान और भुगतान के लिए आधार कार्ड की जगह बायोमेट्रिक पहचान और वोटर आईडी (ई पिक) नंबर का इस्तेमाल करने पर विचार कर रही है। केंद्रीय पंचायती राज, मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह (ललन सिंह) ने इस संबंध में संकेत दिए हैं। हालांकि, सरकार ने अभी तक इस पर कोई अंतिम फैसला या आधिकारिक नियम जारी नहीं किया है। पंचायती राज मंत्रालय की कार्यशाला में मंत्री सिंह ने कहा कि अब भुगतान का आधार केवल आधार कार्ड नहीं रहेगा। उन्होंने आधार बनाने की सुलभ प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए लाभार्थियों की पहचान के लिए अन्य विकल्पों पर विचार की आवश्यकता जताई। उनका कहना था कि आधार कार्ड आसानी से बन जाते हैं, जिससे वास्तविक पहचान सुनिश्चित करने में चुनौती आ सकती है। वर्तमान में पीएम किसान, पीएम आवास योजना और वृद्धावस्था पेंशन जैसी कई सरकारी योजनाओं में पहचान व भुगतान के लिए आधार का उपयोग होता है। मंत्री के बयान के बाद यह सवाल उठ रहे हैं कि नई व्यवस्था किन योजनाओं में और कब लागू होगी। हालांकि, सरकार ने अभी यह स्पष्ट नहीं किया है। इसलिए, जब तक कोई आधिकारिक घोषणा न हो, लाभार्थियों को अपने आधार संबंधी दस्तावेजों में कोई बदलाव करने की जरूरत नहीं है और मौजूदा नियमों के अनुसार ही उन्हें योजनाओं का लाभ मिलता रहेगा।

कार्नेलियन स्मॉलकैप फंड ने जुटाए 632 करोड़

छोटे शहरों के निवेशकों ने दिखाई मजबूत दिलचस्पी

नई दिल्ली ।

कार्नेलियन म्यूचुअल फंड की पहली स्कीम, कार्नेलियन स्मॉलकैप फंड ने अपने न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) के जरिए निवेशकों से 632 करोड़ रुपये का उल्लेखनीय संग्रह किया है। 30 अक्टूबर 2026 को बंद हुए इस एनएफओ को देशभर के निवेशकों से मजबूत प्रतिक्रिया मिली, जिसमें टियर-2 और टियर-3 शहरों से आई 45 फीसदी भागीदारी ने खासा ध्यान आकर्षित किया है, जो लंबी अवधि के निवेश के प्रति बढ़ती जागरूकता को दर्शाता है। फंड हाउस के अनुसार, इस एनएफओ को कुल 30,562 आवेदन मिले, जिनमें से प्रत्येक का औसत आकार करीब 2.07 लाख रुपये रहा। लगभग 21 फीसदी आवेदन सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के लिए मिले, जो निवेशकों के लंबी अवधि के निवेश रुझान को रेखांकित करता है। इस एनएफओ में देश के सभी राज्यों के निवेशकों ने हिस्सा लिया और इसे 275 शहरों के 1,430 वितरकों का समर्थन मिला।

निवेशकों को यूनिट का आवंटन 5 नवंबर 2026 को किया गया है, जबकि स्कीम में 9 नवंबर 2026 से दोबारा खरीद-बिक्री शुरू हो जाएगी। निवेशकों से मिले अच्छे रिस्पॉन्स पर, फंड हाउस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) का आकार बढ़ाने के बजाय निवेश प्रक्रिया की गुणवत्ता बनाए रखने को अपनी प्राथमिकता बताया। उन्होंने कहा कि खासकर स्मॉलकैप सेगमेंट में टिकाऊ विकास की क्षमता वाली कंपनियों की पहचान के लिए गहन मूल्यांकन और सही वैल्यूएशन



अहम हैं। इस रणनीति के तहत, स्कीम ने स्मॉलकैप सेगमेंट में निवेश संबंधी लचीलापन बनाए रखने के लिए 5,000 करोड़ रुपये की अधिकतम एयूएम सीमा तय की है। इस सीमा तक पहुंचने के बाद नए एकमुश्त निवेश और दूसरी स्कीमों से स्विच के जरिए आने वाले निवेश बंद हो जाएंगे, जबकि एसआईपी के जरिए निवेश जारी रहेगा। फंड हाउस के संस्थापक और चेयरमैन के अनुसार, भारत में आर्थिक बदलाव के दौर में उभरते कारोबार, नए क्षेत्रों और खास कारोबारी मॉडल वाली कंपनियों में निवेश के बड़े अवसर हैं, जिनमें से कई भविष्य में बाजार की अग्रणी कंपनियां बन सकती हैं। यह ओपन-एंडेड स्कीम अपनी कुल एयूएम का 65 से 100 फीसदी हिस्सा स्मॉलकैप कंपनियों के शेयरों और उनसे जुड़े निवेश विकल्पों में लगाएगी।

एनएसई, ऑगमोंट के ईजीआर खंड में पहले दिन 33 करोड़ से अधिक का कारोबार

निवेशकों को डीमैट के जरिए भौतिक सोना रखने व लेने का विकल्प

नई दिल्ली ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने एकीकृत स्वर्ण मंच ऑगमोंट के साथ मिलकर शुक्रवार को इलेक्ट्रॉनिक स्वर्ण रसीद (ईजीआर) में लाइव कारोबार शुरू किया। इस नए वित्तीय उत्पाद को निवेशकों ने शानदार प्रतिक्रिया दी, पहले ही दिन इसमें 33.11 करोड़ रुपए के सफल सौदे हुए। यह भारत में भौतिक सोने को औपचारिक वित्तीय प्रणाली से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। एनएसई के आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार को कुल 2,27,444 अनुबंधों का कारोबार हुआ, जिनका कुल मूल्य 33.11 करोड़ रुपए रहा। कारोबार के दौरान कीमतें 1,450.50 रुपए से 1,465 रुपए प्रति 100 मिलीग्राम (0.1 ग्राम) के दायरे में व्यवस्थित तरीके से रहीं। प्रत्येक इलेक्ट्रॉनिक स्वर्ण रसीद 100 मिलीग्राम भौतिक सोने के बराबर होती है, जिसे सेबी विनियमित भंडारगृहों में सुरक्षित रखा जाता है। निवेशक अपने डीमैट खातों के



माध्यम से इन रसीदों की खरीद-बिक्री कर सकते हैं। साथ ही, निर्धारित नियमों के तहत उनके पास इन रसीदों के बदले भौतिक सोना प्राप्त करने का विकल्प भी है।

यह खंड टी प्लस1 निपटान चक्र का पालन करता है, जिससे सौदों का निपटान अगले कारोबारी दिन होता है।

बीएसएनएल और वीआईएल के बीच नेटवर्क साझा समझौता

12-13 नए सर्किलों में लागू होगी यह व्यवस्था

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) ने कर्ज में डूबी वोडाफोन आइडिया लिमिटेड (वीआईएल) के साथ 12-13 नए दूरसंचार सर्किलों में इंटर-सर्किल रोमिंग (आईसीआर) समझौता करने की योजना बनाई है। एक सरकारी सूत्र ने यह जानकारी दी, जिससे दोनों कंपनियों के ग्राहकों को उन क्षेत्रों में मोबाइल नेटवर्क का बेहतर सिग्नल मिल पाएगा, जहां उनकी मौजूदा सेवा प्रदाता कंपनी का नेटवर्क कमजोर है। इस समझौते से दोनों कंपनियों को लाभ होगा। सूत्र के अनुसार पहले से ही दो-तीन सर्किलों में यह व्यवस्था लागू है और अब इसे विस्तार दिया जा रहा है। बीएसएनएल अपने 4जी नेटवर्क का तेजी से विस्तार कर रही है, जिसके तहत उसे 26,000 नए मोबाइल टावर लगाने की मंजूरी मिली है। वहीं वोडाफोन आइडिया, जिसमें सरकार सबसे बड़ी शेयरधारक है, अपने 45,000 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय को पूरा करने के लिए कर्ज जुटाने का प्रयास कर रही है। यह समझौता दोनों कंपनियों के नेटवर्क की पहुंच को बढ़ाने में मददगार साबित होगा।

एनबीएफसी के सोने व उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं का कर्ज 50 फीसदी बढ़ा

सोने के आभूषणों पर कर्ज 66 फीसदी से अधिक बढ़कर 3.74 लाख करोड़ पहुंचा

मुंबई ।

गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) द्वारा सोने के आभूषणों और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं के लिए दिए गए कर्ज में सितंबर 2026 में 50 प्रतिशत से अधिक की सालाना वृद्धि दर्ज की गई है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है, जो इन क्षेत्रों में मजबूत ऋण वृद्धि का संकेत देती है। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, सितंबर 2026 में सोने के आभूषणों के बदले दिया गया बकाया कर्ज 66.1 प्रतिशत बढ़कर 3.74 लाख करोड़ रुपए हो गया, जबकि एक साल पहले यह 2.25 लाख करोड़ रुपए था। इसी अवधि में, उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं के लिए एनबीएफसी का कर्ज 54.4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 77,896 करोड़ रुपए पर पहुंच गया, जो पिछले वर्ष सितंबर में 50,411 करोड़ रुपए था। कुल मिलाकर, सितंबर 2026 में एनबीएफसी का कुल कर्ज 15.4 प्रतिशत बढ़कर 61.69 लाख करोड़ रुपए हो गया, जो एक साल पहले 53.46 लाख करोड़ रुपए था। विभिन्न क्षेत्रों में ऋण वृद्धि का मिलाजुला रुझान देखने को मिला। कृषि और संबद्ध गतिविधियों के लिए कर्ज में 17.8 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि हुई, जो पिछले साल 5.2 प्रतिशत थी। हालांकि, उद्योग क्षेत्र की कर्ज वृद्धि दर 10.2 प्रतिशत से घटकर 7.4 प्रतिशत रह गई और सेवा क्षेत्र की वृद्धि भी 23 प्रतिशत से घटकर 17.3 प्रतिशत पर आ गई, जबकि बुनियादी ढांचा क्षेत्र की वृद्धि सुस्त बनी रही।

दिवाली पर बंपर कारोबार, व्यापारियों को 5 लाख करोड़ का मुनाफा होने की उम्मीद

दिल्ली में 80 हजार करोड़ के व्यापार का अनुमान, ऑटो सेक्टर में 55 फीसदी उछाल

नई दिल्ली ।

इस साल दिवाली का त्योहार देशभर के व्यापारियों के लिए शानदार कारोबार के अवसर लेकर आया है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) से संबद्ध चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने अनुमान लगाया है कि इस त्योहारी सीजन में पूरे देश में लगभग 5 लाख करोड़ रुपये का जबरदस्त व्यापार होने की उम्मीद है। यह आंकड़ा व्यापारियों के लिए एक बड़ी राहत और अर्थव्यवस्था के लिए शुभ संकेत है। सीटीआई के एक अे धिकारी ने विभिन्न व्यापारिक संगठनों, होटल, बैंक्वेट, रेस्टोरेंट, मॉल, सिनेमा, कार डीलर्स और टूर एंड ट्रैवल एसोसिएशन्स से बातचीत के आधार पर यह अनुमान जताया है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भी इस दिवाली सीजन में करीब 80 हजार करोड़ रुपये का व्यापार होने की संभावना है। आंकड़ों के मुताबिक, ऑटोमोबाइल सेक्टर में खुदरा बिक्री में 55 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जिसमें थ्री-व्हीलर में 110 प्रतिशत और निजी वाहनों में 70 प्रतिशत की बंपर बढ़ोतरी हुई है। इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल, कपड़े, रेडीमेड गारमेंट्स, मिठाई, ड्राई फ्रूट्स, फर्नीचर और घरेलू सामान जैसे क्षेत्रों में भी जोरदार कारोबार की उम्मीद है। इस बार भारतीय उत्पादों, जैसे मिट्टी के दीये, पूजा सामग्री और हस्तशिल्प को विशेष प्राथमिकता मिल रही है, जिससे स्थानीय कारीगरों और छोटे उद्योगों को बड़ा आर्थिक लाभ मिलेगा। अनुमान है कि दिवाली के दौरान लगभग 5 करोड़ उपहारों का आदान-प्रदान भी होगा। दिल्ली में हाल ही में प्रदर्शनों के कारण व्यापारियों को हुए 14 हजार करोड़ रुपये के नुकसान की भरपाई भी इस बंपर खरीदारी से होने की उम्मीद है। चांदनी चौक, सदर बाजार, करोल बाग और लाजपत नगर जैसे प्रमुख बाजारों में खरीदारों की भीड़ उमड़ रही है, जिससे त्योहारी उत्साह चरम पर है।

भारती एयरटेल ने जियो को पछाड़ा, बनी देश की दूसरी सबसे मूल्यवान कंपनी

शेयरों में तेजी से एयरटेल का मार्केट कैप बढ़ा, जियो फिसला

मुंबई ।



भारतीय शेयर बाजार में शुक्रवार को एक बड़ा उलटफेर देखने को मिला। टेलीकॉम दिग्गज भारती एयरटेल ने जियो प्लेटफॉर्म्स को पीछे छोड़ते हुए देश की दूसरी सबसे मूल्यवान कंपनी का मुकाम हासिल कर लिया है। यह बदलाव एयरटेल के शेयरों में उछाल और जियो प्लेटफॉर्म्स के शेयरों में गिरावट के कारण हुआ। कारोबार के अंत में भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) बढ़कर लगभग 13.08 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि जियो प्लेटफॉर्म्स 12.94 लाख करोड़ रुपये के साथ तीसरे स्थान पर खिसक गया। शुक्रवार को भारती एयरटेल के शेयर 1.66 फीसदी की बढ़त के साथ 2,096.25 रुपए पर बंद हुए, वहीं जियो प्लेटफॉर्म्स के शेयर 0.90 फीसदी गिरकर 1,405.75 रुपए पर आ गए। यह बदलाव 28 अक्टूबर के बाद हुआ है, जब जियो प्लेटफॉर्म्स ने यह दूसरा स्थान हासिल किया था। रिलायंस इंडस्ट्रीज 17.83 लाख करोड़ रुपये के मार्केट कैप के साथ अभी भी देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है। शीर्ष पांच में एचडीएफसी बैंक (चौथे) और आईसीआईसीआई बैंक (पांचवें) भी शामिल हैं। भारती एयरटेल की इस उपलब्धि के पीछे उसके मजबूत वित्तीय प्रदर्शन को अहम माना जा रहा है। कंपनी का तिमाही मुनाफा सालाना आधार पर 24 फीसदी बढ़ा है और प्रति ग्राहक औसत राजस्व में भी सुधार दर्ज किया गया है, जिसने उसके शेयरों को मजबूती दी है। जियो प्लेटफॉर्म्स के शेयरों में गिरावट ने उसकी रैंकिंग को प्रभावित किया।

पश्चिम बंगाल की नई निवेश नीति में उद्योगों को जमीन सीधे खरीदने की छूट

कोलकाता ।

पश्चिम बंगाल सरकार ने औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने और निवेश आकर्षित करने के लिए अपनी नई निवेश प्रोत्साहन नीति पेश की है। इसका मुख्य लक्ष्य उद्योगों को जमीन मालिकों से सीधे भूमि खरीदने के लिए प्रोत्साहित करना है। यह कदम राज्य में औद्योगिक भूमि की कमी और पिछले भूमि अधिग्रहण विवादों (जैसे सिंगूर-नंदीग्राम) को देखते हुए उठाया गया है। नई नीति में, 500 एकड़ जमीन सीधे खरीदने वाले उद्योगों को रणनीतिक और मेगा परियोजना का दर्जा आसानी से मिलेगा, जबकि सरकारी आवंटन पर यह सीमा 1000 एकड़ है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि सरकार किसानों से जबरन जमीन का अधिग्रहण नहीं करेगी, लेकिन उद्योगपतियों को जमीन की व्यवस्था में अकेला भी नहीं छोड़ेगी। सरकार औद्योगिक भूमि की कमी दूर करने के लिए भूमि पूलिंग (जमीन मालिक स्वेच्छा से जमीन देंगे और विकसित भूखंड वापस मिलेंगे) और अप्रयुक्त औद्योगिक भूखंडों को वापस लेने जैसे वैकल्पिक उपायों पर भी विचार कर रही है। इसके तहत, कंपनियों को आवंटित जमीन पर तीन साल के भीतर उत्पादन शुरू करना अनिवार्य होगा, विफल होने पर आवंटन रद्द हो सकता है। सीधी खरीद के लिए वित्तीय सहायता हेतु हुडको और नाबार्ड जैसे संस्थानों से भी संपर्क किया जाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फिनले बीन ने नॉर्थम्पटनशायर काउंटी क्रिकेट कलब से करार किया

लंदन ।

इंग्लैंड के यॉर्कशायर के शीर्ष क्रम के विकेटकीपर बल्लेबाज फिनले बीन ने नॉर्थम्पटनशायर काउंटी क्रिकेट क्लब के साथ तीन साल का करार किया है। फिनले के इस कदम से सभी हैरान है क्योंकि यॉर्कशायर के साथ उनका अनुबंध अभी दो साल बचा हुआ था। माना जा रहा है कि फिनले इससे अब अपने खेल को और बेहतर बना सकते हैं।

गौरतलब है कि यॉर्कशायर के लिए काउंटी चैंपियनशिप के शुरुआती मैचों में शानदार शतक लगाने और 25.22 के प्रभावशाली औसत को बनाए रखने के बाद भी फिनले को कई बार टीम की अंतिम ग्यारह में अपनी जगह बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ा। मैदान पर अधिक समय बिताने और अपनी प्रतिभा को पूरी तरह से प्रदर्शित करने की इच्छा से उन्हें यह बड़ा निर्णय लेने पर मजबूर किया। उनका नॉर्थम्पटनशायर में शामिल होना उनके लिए अपनी प्रतिभा दिखाने का अच्छा अवसर रहेगा। टीम के मुख्य कोच डार्विन लेहमैन ने कहा है कि बीन के आने से टीम बेहतर होगी और हमा उन्हें साथ पाकर उत्साहित हैं। वहीं बीन ने भी कहा कि वह नॉर्थम्पटनशायर की ओर से खेलने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

भारतीय टीम ने दूसरे एकदिवसीय में डकवर्थ लुईस नियम से न्यूजीलैंड को 4 रनों से हराया

सीरीज में 2-0 की बढ़त मिली

वेलिंगटन ।

भारतीय क्रिकेट टीम ने वर्षा बाधित दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में मेजबान न्यूजीलैंड को चार रनों से हराकर पांच मैचों की इस सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली है। बारिश की बाधा के कारण इस मैच का फैसला डकवर्थ लुईस नियम से आया। इस मैच में शानदार प्रदर्शन करने वाले भारत के गुरनूर बराड़ को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला। इस मैच में भारतीय टीम के कप्तान शुभगन गिल ने टॉस जीतकर मेजबान टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। कीवी टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पायी ओर 41 ओवर में ही 134 रनों पर सिमट गयी। इसके बाद जीत के लिए मिले 135 रनों के आसान से लक्ष्य को भारतीय टीम ने बमुश्किल हासिल किया। 135 रन के छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम के बल्लेबाज लड़खडा गये टीम ने 26 ओवर में ही केवल 113 रनों पर सात विकेट खो दिये। तब उसे जीत के लिए 22 रन की जरूरत थी। तभी बारिश से मुकाबले में बाधा आई। बारिश नहीं रुकने पर डकवर्थ लुईस नियम के तहत



भारतीय को चार रनों से विजेता घोषित कर दिया गया। इससे पहले आज सुबह बारिश के कारण टॉस में भी देरी हुई। सुबह देर से मैच शुरु होने के बाद ओवर घटाकर 47-47 कर दिये गये। इस मैच में 135 रनों के छोटे से लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम के पसीने निकल गये। सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल पहली ही गेंद पर आउट हो गये। वहीं विराट कोहली भी सात रन ही बना पाये। रोहित भी बड़ी पारी नहीं खेल पाये। रोहित ने 28 गेंदों में दो चौके और दो छक्के लगाते हुए 23 रनों की पारी खेली। इसके बाद अक्षर पटेल 7 रन बनाकर आउट हुए और भारत का चौथा विकेट गिरा। इसके बाद। श्रेयस अय्यर और केएल राहुल ने पांचवें विकेट के लिए 39 रन की साझेदारी कर पारी को संभालने के प्रयास किये पर जेमीसन ने श्रेयस को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ दिया।

एकदिवसीय में इन क्रिकेटरों के नाम हैं सबसे तेज अर्धशतक

जोहांसबर्ग ।

एकदिवसीय क्रिकेट में दक्षिण अफ्रीका के स्टार बल्लेबाज एबी डिविलियर्स के नाम एक ऐसा रिकार्ड है जो पिछले 11 साल में कोई भी बल्लेबाज नहीं तोड़ पाया है। ये है सबसे तेज अर्धशतक का। डिविलियर्स के अलावा चार और बल्लेबाज हैं जिनके नाम सबसे तेज अर्धशतक हैं। डिविलियर्स ने साल 2015 में जोहन्सबर्ग में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेलते हुए केवल 16 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा कर क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया था। यह सिर्फ एक फिफ्टी नहीं, बल्कि एक आतिशी पारी की शुरुआत थी, जहां उन्होंने कुल 149 रन बनाए, जिसमें 16



विशाल छक्के और 9 शानदार चौके शामिल थे। उनकी वह पारी एकदिवसीय इतिहास की सबसे आक्रामक बल्लेबाजी मानी जाती है। हाल ही में वेस्टइंडीज के युवा ऑलराउंडर मैथ्यू फोर्ड ने भी 23 मई 2025 को डब्लिन में आयरलैंड के खिलाफ केवल मात्र 16 गेंदों में अपने पचास रन पूरे किये थे हालांकि इसके बाद भी डिविलियर्स का नाम सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी के तौर पर अभी भी दर्ज है।इन दिग्गजों के अलावा, कुछ और बल्लेबाज हैं जिन्होंने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से 17 गेंदों में अर्धशतक पूरा करने का कारनामा किया है।

हैरी केन अब साल 2029 तक बायर्न म्यूनिख में ही रहेंगे

सबसे अधिक वेतन पाने वालों में शामिल

लंदन ।

इंग्लैंड की फुटबॉल टीम के कप्तान हैरी केन का जर्मन क्लब बायर्न म्यूनिख क्लब के साथ करार साल 2029 तक बढ़ गया है। इससे अब केन यूरोपीय फुटबॉल के ऐसे खिलाड़ियों के क्लब में शामिल हो गये हैं जिन्हें सबसे अधिक वेतन मिलता है। इस सूची में किलियन एमबाप्पे और एर्लिंग हालैंड जैसे दिग्गज शामिल हैं। नये करार के साथ ही केन को प्रति सप्ताह 4 लाख पाउंड से अधिक का वेतन मिलेगा। इस समझौते के साथ ही केन के क्लब छोड़कर कहीं और जाने की अटकलें भी समाप्त हो गयी हैं। गौरतलब है कि केन साल 2023 में टोटेनहम हॉटस्पर से बायर्न म्यूनिख में आये थे, जहां उनका चार साल का करार समाप्त होने जा रहा था। वहीं अब क्लब ने उनके बेहतरीन प्रदर्शन और टीम के प्रति समर्पण को देखते हुए उनका करार बढ़ा दिया है। वहीं मीडिया रिपोर्टों के अनुसार अब वह वेतन के मामले में किलियन एमबाप्पे और एर्लिंग हालैंड के दिग्गजों की सूची में शामिल हो गये हैं। गौरतलब है कि केन के लिए पिछला सत्र बेहद खास रहा, जहां उन्होंने 73 गोल दागकर प्रतिष्ठित , बैलन डीओर जीता। वह 25 साल में यह पुरस्कार हासिल करने वाले पहले इंग्लिश खिलाड़ी बने। बायर्न ने उनके आने के बाद से ही बुंडेसलीगा का खिताब भी जीता और पिछले सत्र में जर्मन कप भी हासिल किया, जिससे केन के करियर में खिताबों का सूखा खत्म हुआ। उन्होंने जर्मनी की शीर्ष फुटबॉल लीग में सिर्फ 98 मैचों में 100 गोल पूरे किए, जो इस उपलब्धि तक पहुंचने का सबसे तेज रिकॉर्ड है।

पश्चिम एशिया में तनाव से एशियन कप टूर्नामेंट टला

दुबई ।

एशियाई फुटबॉल संघ (एएफसी) ने कहा है कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव और सुरक्षा चिंताओं को देखते हुए सऊदी अरब में अगले साल की शुरुआत में होने वाला एशियन कप 2027 अब साल के अंत में आयोजित किया जाएगा। पहले ये टूर्नामेंट 7 जनवरी से 5 फरवरी 2027 तक होने वाला था पर अब ये 23 दिसंबर 2027 से 21 जनवरी 2028 तक खेला जाएगा। इस नये कार्यक्रम को हालांकि अभी अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल महासंघ (फीफा) की मंजूरी नहीं मिली है।

एएफसी के अनुसार प्रतियोगिता की आयोजन समिति ने मौजूदा असाधारण हालातों को देखते हुए तारीखों में बदलाव किया है। परिसंघ के अनुसार, क्षेत्र में हाल के घटनाक्रम को देखते हुए सुरक्षा के साथ-साथ टीमों, अधिकारियों, दर्शकों और आयोजन से जुड़े अन्य लोगों की यात्रा और अन्य प्रकार की व्यवस्था करना संभव नहीं है। यह फैसला इसलिए भी हैरानी भर है क्योंकि पिछले महीने ही एएफसी अध्यक्ष शेख सलमान ने पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बावजूद टूर्नामेंट की तैयारियां तय कार्यक्रम के अनुसार जारी रहने की बात कही थी। हालांकि, सऊदी



अरब पर हूती विद्रोहियों के लगातार हमलों से हालात बदल गये और सुरक्षा चिन्ताएं शुरु हो गयीं।

क्षेत्र में तनाव के कारण हाल ही में क्लब फुटबॉल पर भी प्रभाव देखा गया है। हाल ही में सऊदी अरब के प्रमुख क्लब अल नासर का अल वस्ल के खिलाफ एशियाई चैंपियंस लीग का मुकाबला टालना पड़ा था, क्योंकि संयुक्त अरब अमीरात की टीम ने सुरक्षा कारणों से रियाद जाने से इनकार कर दिया था।

संक्षिप्त समाचार

विराट न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने

पोंटिंग का रिकॉर्ड तोड़ा

वेलिंगटन ।



भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने मेजबान न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में केवल 7 रन बनाने के बाद भी एक नई उपलब्धि अपने नाम की है। कोहली इसी के साथ ही न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। कोहली ने अपने इस रिकार्ड के साथ ही ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग को पीछे छोड़ा। कोहली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय के 38 मैचों में 56.51 के औसत से 1978 रन बनाए हैं, जिसमें 7 सात शतक और 11 अर्धशतक शामिल हैं। उन्होंने अपने करियर में साल 2010 में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहला एकदिवसीस मुकाबला खेला था। वहीं पोंटिंग ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 51 एकदिवसीय मैचों में 45.83 के औसत से 1971 रन बनाये हैं। उन्होंने इस दौरान 6 शतक और 12 अर्धशतक लगाये हैं। कोहली ने वेलिंगटन में एक रन बनाते ही पोंटिंग को पीछे छोड़ा। उन्होंने ऑकलैंड में हुए पहले एकदिवसीय में 74 रन की पारी खेलकर पोंटिंग की बारबरी की थी। एकदिवीसय में कीवी के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वालों की सूची में महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर तीसरे स्थान पर हैं। उन्होंने 42 मैचों में 1750 रन जोड़े, जिसमें 46.05 का औसत रहा।

नबी ने साइफर्ट को आउट कर अपने करियर का पहला विकेट लिया

वेलिंग्टन ।



भारतीय टीम के युवा तेज गेंदबाज आकिब नबी ने मेजबान न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में शानदार गेंदबाजी करते हुए उसके बल्लेबाजी को कोई अवसर नहीं दिया।

नबी ने अपने करियर का सबसे यादगार स्पैल डालते हुए मेजबान टीम की सलामी जोड़ी को टिकने नहीं दिया। नबी ने नई गेंद से अपने पहले ही ओवर में न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज टिम साइफर्ट को पवेलियन भेज दिया। साइफर्ट अपना खाता भी नहीं खोल पाए और केवल दो रन ही बना पाये।

इस प्रकार न्यूजीलैंड को पहला और सबसे बड़ा झटका लगा। यह नबी के अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला विकेट था, जिसे उन्होंने बेहद खास अंदाज में मनाया। इससे पहले अपने दो एकदिवसीय मुकाबलों में वह असफल रहे थे। साइफर्ट को आउट करने में अंशुल कंबोज ने भी योगदान दिया। उन्होंने मिड-ऑफ पर एक बेहतरीन कैच पकड़ा। पहले ही ओवर में मिली इस सफलता ने भारतीय टीम को सिर्फ एक शुरुआती बढ़त ही नहीं दिलाई, बल्कि विरोधी टीम पर मनोवैज्ञानिक दबाव भी बनाया। न्यूजीलैंड की टीम जल्द ही भारतीय गेंदबाजों के सामने संघर्ष करती नजर आई और 100 रन के भीतर ही उसने अपने पांच विकेट खो दिये थे।

यशस्वी ने न्यूजीलैंड ए के खिलाफ शानदार शतक लगाया

आकलैंड ।

युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने भारत ए की ओर से खेलते हुए न्यूजीलैंड ए के खिलाफ तीसरे अनौपचारिक टेस्ट मैच की पहली पारी में शानदार शतक लगाया है। यशस्वी का ये लगातार दूसरा शतक हैं। इससे पहले दूसरे टेस्ट में भी उन्होंने शतकीय पारी खेली थी। मेजबान टीम के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले यशस्वी ने अपने इस शानदार प्रदर्शन से टीम प्रबंधन को भी राहत दी है।

इस युवा बल्लेबाज ने तीसरे टेस्ट पहली पारी में बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 127 गेंदों में ही शतक लगा दिया। अपनी इस पारी में उन्होंने कुल 138 गेंदों पर 102 रन बनाए। अपनी इस पारी में यशस्वी ने 16 शानदार चौके और 2 छक्के लगाये। उन्होंने साई सुदर्शन के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 175 रनों की मजबूत साझेदारी कर टीम को अच्छी शुरुआत दी।

यशस्वी के लिए ये प्रदर्शन इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि न्यूजीलैंड दौरे पर उनकी शुरुआत बेहद निराशाजनक रही थी। पहले अनौपचारिक टेस्ट मैच में वे दोनों पारियों को मिलाकर सिर्फ 22 रन ही बना पाए थे, जबकि दूसरे मैच की पहली पारी में वे शून्य पर ही आउट हो गये थे। यशस्वी ने इसके बाद अपनी लय पकड़ी और दूसरे मैच की दूसरी पारी में नाबाद 155 रनों की शानदार पारी खेली। अब तीसरे टेस्ट में भी शतक जड़कर उन्होंने अपनी बेहतरीन फॉर्म दिखायी है। इससे टेस्ट सीरीज के लिए भी उनका मनोबल बढ़ा है। गौरतलब है कि भारतीय टीम को न्यूजीलैंड दौरे पर पांच टी20 और पांच एकदिवसीय मैचों के अलावा दो टेस्ट मैचों की सीरीज भी खेलनी है। टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला 19 नवंबर से वेलिंग्टन के बेसिन रिजर्व में खेला जाएगा, और इसके बाद दूसरा व



अंतिम टेस्ट मैच 27 नवंबर से क्राइस्टचर्च में खेला जाएगा है। ऐसे में उनका लय हासिल करना टीम के लिए सकारात्मक संकेत है। विशेष रुप से विदेशी पिचों पर जहां उनकी आक्रामक और संयमित बल्लेबाजी टीम को मजबूत शुरुआत दे सकती है।

शुभमन पहली बार एकदिवसीय में गोल्डन डक हुए

कीवी टीम लगातार दो मैचों में 200 रनों से कम पर आउट हुई

वैलिंग्टन ।



भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल यहां मेजबान न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में पहली ही गेंद पर पेवेलियन लौट गये। शुभमन को तेज गेंदबाज जैकब डफी ने अपना शिकार बनाया। इस प्रकार वह गोल्डन डक हुए। जब कोई खिलाड़ी अपनी पारी की पहली ही गेंद पर बगैर रन बनाए आउट होता है तो उसे गोल्डन डक कहा जाता है। शुभमन अपने एकदिवसीय करियर में 72वें मैच में पहली बार गोल्डन डक हुए हैं। गिल अपने एकदिवयीय करियर में दूसरी बार शून्य पर आउट हुए हैं। वह साल 2023 में में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसय मैच में शून्य पर पवेलियन लौट थे पर अब उन्होंने दो गेंदें खेलीं थी। यह मैच विशाखापट्टनम में हुआ था। गिल ने तब दो गेंदों का सामना किया था। उन्हें मिचेल स्टार्क ने आउट किया था। वेलिंगटन एकदिवसीय बारिश से प्राभिवत रहा। बारिश और मौसम को देखते हुए मैच प्रति टीम 47 ओवर का कर दिया गया था। इस मैच में मेजबान टीम ने 134 रन बनाये ओर भारतीय टीम ने डकवर्थ लुइस नियम से 4 रनों से मैच जीत लिया। भारतीय टीम ने 7 विकेट पर 113 रन बनाये थे। इस मुकाबले में भी न्यूजीलैंड की टीम 200 के भीतर अंदर आउट हो गई है। पिछले मैच में भी कीवी टीम ने पहले बल्लेबाजी की थी और सस्ते में सिमट गई थी। इन दो मैचों में न्यूजीलैंड के बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजों के सामने बेबस दिखी। न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ पहले एकदिवसीय में 185 रन बनाए थे और दूसरे मुकाबले में 134 रनों पर बनाये। ये 25 साल बाद हुआ है, जब न्यूजीलैंड की टीम किसी भी एकदिवसीय सीरीज के दो मैचों में 200 के अंदर ऑलआउट हुई है। इससे पहले ऐसा साल 2001 में कीवी टीम के साथ श्रीलंका के खिलाफ हुआ था।

पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड की खराब शुरुआत

वेलिंगटन।

भारतीय टीम ने दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में टॉस जीतकर मेजबान न्यूजीलैंड को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड की शुरुआत खराब रही और उसने 100 रनों के अंदर ही अपने आधे विकेट खो दिये। बारिश के कारण मैच देर से शुरु हुआ। पहले मैच में जीत हासिल कर भारतीय टीम इस सीरीज में 1-0 से आगे है। दोनों टीमें इस प्रकार हैं -भारत- रोहित शर्मा, शुभमन गिल (कप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, अक्षर पटेल, केएल राहुल (विकेटकीपर), नमन धीर, अंशुल कंबोज, आकिब नबी, गुरनूर बराड़, अर्शदीप सिंह, ऋतुराज गायकवाड़, मोहम्मद सिराज, ईशान किशन, कुलदीप यादव।

आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप में खराब प्रदर्शन से मनु और सुरचि ओलंपिक कोटा से चूकीं

दोहा ।

भारत की स्टार महिला निशानेबाज मनु भाकर और सुरूचि इंदर सिंह को 2028 लांस एजिल्स ओलंपिक के लिए कोटा नहीं मिल पाया है। जिससे इनके प्रशंसक निराश है। ये दोनो ही आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप की महिला 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा के फाइनल में पदक हासिल करने में विफल रहीं थीं। इसी कारण इन्हें ओलंपिक के लिए प्रवेश नहीं मिल पाया है। मनु के लिए ये और भी निराशाजन कै क्योंकि पिछले ओलंपिक में उन्हें दो पदक मिले थे। दोनों ही खिलाड़ियों का प्रदर्शन पिछले कुछ समय से उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा और वे आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप जैसे प्रवेश टूर्नामेंट में भी प्रभावित नहीं कर पायीं। अब उन्हें ओलंपिक में प्रवेश के लिए अन्य क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में किस्मत आजमानी पड़ेगी फाइनल मुकाबले में अनुभवी भाकर 179.9 अंक के साथ पांचवें स्थान पर रहीं थी, जबकि एशियाई खेलों की मिश्रित टीम स्पर्धा की स्वर्ण पदक विजेता सुरूचि इंदर सिंह को 158.3 अंक के साथ छठा स्थान मिला था। इस परिणाम के साथ ही, विश्व चैंपियनशिप में



भारत का व्यक्तिगत पदक और ओलंपिक कोटा का इंतजार जारी रहा। यह चैंपियनशिप लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए व्यक्तिगत स्पर्धा का कोटा हासिल करने के लिए पहली बड़ी स्पर्धा है, जिससे भारतीय निशानेबाजी की संभावनों को झटका लगा है।

रोहित तीन टीमों के खिलाफ 50 से अधिक छक्के लगाने वाले दूसरे खिलाड़ी बने

वैलिंग्टन।

भारतीय टीम के अनुभवी सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने मेजबान- न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में अपनी 23 रनों की छोटी सी पारी में 2 छक्के लगाकर एक नया रिकार्ड बना दिया। इस मैच में दो छक्के लगाते ही रोहित एकदिवसीय क्रिकेट में तीन टीमों के खिलाफ सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। रोहित ने न्यूजीलैंड के खिलाफ अब तक एकदिवसीय में 51 छक्के लगाए हैं। इस प्रकार वह एकदिवसीय क्रिकेट में तीन विपक्षी टीमों के खिलाफ 50 या उससे ज्यादा छक्के लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने हैं। उन्होंने इस मामले में पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी के विश्व रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। इससे पहले अफरीदी ने भी तीन टीमों के खिलाफ 50 से अधिक छक्के लगाये थे। न्यूजीलैंड तीसरी ऐसी टीम है जिसके खिलाफ रोहित ने एकदिवसीय क्रिकेट में 50 या उससे ज्यादा छक्के लगाए हैं। कीवी टीम के खिलाफ उनके 51 छक्के हो गए हैं। इससे पहले रोहित ने ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के खिलाफ 50 से अधिक छक्के लगाये हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय में रोहित ने सबसे अधिक 93 छक्के लगाए हैं, जबकि श्रीलंका के खिलाफ उनके नाम 58 छक्के हैं। रोहित न्यूजीलैंड के खिलाफ सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में अफरीदी से आगे हैं। अफरीदी के नाम कीवी टीम के खिलाफ एकदिवसीस में 50 छक्के लगाने का रिकॉर्ड था पर रोहित के नाम 51 छक्के है। इस प्रकार वह अफरीदी से आगे निकल गये हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

उल्लास से परिपूर्ण उत्सव है

दिपावली



दीपावली अथवा दिवाली भारत के प्रमुख त्योहारों में से एक है। त्योहारों का जो वातावरण धनतेरस से प्रारंभ होता है, वह आज के दिन पूरे चरम पर आता है। दीपावली की रात्रि को घरों तथा दुकानों पर भारी संख्या में दीपक, मोमबत्तियां और बल्ब जलाए जाते हैं। दीपावली भारत के त्योहारों में अपना विशिष्ट स्थान रखती है। इस दिन लक्ष्मी के पूजन का विशेष विधान है। रात्रि के समय प्रत्येक घर में धनधान्य की अधिष्ठात्री देवी महालक्ष्मी जी, विघ्न-विनाशक गणेश जी और विद्या एवं कला की देवी मातेश्वरी सरस्वती देवी की पूजा-आराधना की जाती है। ब्रह्मपुराण के अनुसार कार्तिक अमावस्या की इस अंधेरी रात्रि अर्थात अर्धरात्रि में महालक्ष्मी स्वयं भूलोक में आती हैं और प्रत्येक भक्त के घर में विचरण करती हैं। जो घर हर प्रकार से स्वच्छ, शुद्ध और सुंदर तरीके से सुसज्जित और प्रकाशयुक्त होता है, वहां अंश रूप में ठहर जाती हैं। इसलिए इस दिन घर-बाहर को खूब साफ-सुथरा करके सजाया-संवारा जाता है। दीपावली मनाने से लक्ष्मी जी प्रसन्न होकर स्थायी रूप से भक्तों के घर निवास करती हैं.

धार्मिक मान्यता

दीपावली के दिन आतिशबाजी की प्रथा के पीछे संभवत- यह धारणा है कि दीपावली-अमावस्या से पितरों की रात आरंभ होती है। कहीं वे मार्ग भटक न जाएं, इसलिए उनके लिए प्रकाश की व्यवस्था इस रूप में की जाती है। इस प्रथा का बंगाल में विशेष प्रचलन है। धर्मग्रंथों के अनुसार कार्तिक अमावस्या को भगवान श्री रामचंद्र जी चौदह वर्ष का वनवास काटकर तथा आसुरी वृत्तियों के प्रतीक रावण का संहार करके अयोध्या लौटे थे। तब अयोध्यावासियों ने राम के राज्यारोहण पर दीपमालाएं जलाकर महोत्सव मनाया था। इसीलिए दीपावली हिंदुओं के प्रमुख त्योहारों में से एक है। यह पर्व अलग-अलग नाम और विधानों से पूरी दुनिया में मनाया जाता है। इसका एक कारण यह भी है कि इसी दिन अनेक विजयश्री युक्त कार्य हुए हैं। बहुत से शुभ कार्यों का प्रारंभ भी इसी दिन से माना गया है। इसी दिन उज्जैन के सम्राट विक्रमादित्य का राजतिलक हुआ था। विक्रमी संवत का आरंभ भी इसी दिन से माना जाता है। अत- यह नए वर्ष का प्रथम दिन भी है। आज ही के दिन व्यापारी अपने बही-खाते बदलते हैं तथा लाभ-हानि का ब्यौरा तैयार करते हैं।

धनतेरस एवं छोटी दिवाली

वास्तव में धनतेरस, नरक चतुर्दशी (जिसे छोटी दिवाली भी कहा जाता है) तथा महालक्ष्मी पूजन, इन तीनों पर्वों का मिश्रण है दीपावली। भारतीय पद्धति के अनुसार प्रत्येक आराधना, उपासना व अर्चना में आधिभौतिक, आध्यात्मिक और आधिदैविक इन तीनों रूपों का समन्वित व्यवहार होता है। इस मान्यतानुसार इस उत्सव में भी सोने, चांदी, सिक्के आदि के रूप में आधिभौतिक लक्ष्मी का आधिदैविक लक्ष्मी से संबंध स्वीकार करके पूजन किया जाता है। घरों को दीपमाला आदि से अलंकृत करना इत्यादि कार्य लक्ष्मी के आध्यात्मिक स्वरूप की शोभा को आविर्भूत करने के लिए किए जाते हैं। इस तरह इस उत्सव में उपरोक्त तीनों प्रकार से लक्ष्मी की उपासना हो जाती है।



लक्ष्मी पूजन

दीपावली पर लक्ष्मी जी का पूजन घरों में ही नहीं, दुकानों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों में भी किया जाता है। कर्मचारियों को पूजन के बाद मिठाई, बर्तन और रुपए आदि भी दिए जाते हैं। दीपावली पर कहीं-कहीं जुआ भी खेला जाता है।

पूजन विधि

लक्ष्मी जी के पूजन के लिए घर की साफ-सफाई करके दीवार को गेरू से पोतकर लक्ष्मी जी का चित्र बनाया जाता है। लक्ष्मीजी का चित्र भी लगाया जा सकता है। संध्या के समय भोजन में स्वादिष्ट व्यंजन, केला, पापड़ तथा अनेक प्रकार की मिठाइयां होनी चाहिए। लक्ष्मी जी के चित्र के सामने एक चौकी रखकर उस पर मौली बांधनी चाहिए। इस पर गणेश जी की व लक्ष्मी जी की मिट्टी या चांदी की प्रतिमा स्थापित करनी चाहिए तथा उन्हें तिलक करना चाहिए। चौकी पर छह चौमुखे व 26 छोटे दीपक रखने चाहिए और तेल-बत्ती डालकर जलाना चाहिए। फिर जल, मौली, चावल, फल, गुड़, अबीर, गुलाल, धूप आदि से विधिवत पूजन करना चाहिए। पूजा पहले पुरुष करें, बाद में स्त्रियां। पूजन करने के बाद एक-एक दीपक घर के कोनों में जलाकर रखें। एक छोटा तथा एक चौमुखा दीपक रखकर लक्ष्मी जी का पूजन करें। इस पूजन के पश्चात तिजोरी में गणेश जी तथा लक्ष्मी जी की मूर्ति रखकर विधिवत पूजा करें। अपने व्यापार के स्थान पर बही-खातों की पूजा करें। इसके बाद जितनी श्रद्धा हो, घर की बहू-बेटियों को रुपए दें।

दीपदान

दीपावली के दिन दीपकों की पूजा का विशेष महत्त्व है। इसके लिए दो थालों में दीपक रखें। छह चौमुखे दीपक दोनों थालों में रखें। छब्बीस छोटे दीपक भी दोनों थालों में सजाएं। इन सब दीपकों को प्रज्वलित करके जल, रोली, खील-बताशे, चावल, गुड़, अबीर, गुलाल, धूप आदि से पूजन करें और टीका लगावें। व्यापारी लोग दुकान की गद्दी पर गणेश, लक्ष्मी की प्रतिमा रखकर पूजा करें। इसके बाद घर आकर पूजन करें।

दीपावली की कथा

एक बार सनत्कुमारजी ने सभी महर्षि-मुनियों से कहा, 'महानुभाव! कार्तिक की अमावस्या को प्रातःकाल स्नान करके भक्तिपूर्वक पितर तथा देव पूजन करना चाहिए। उस दिन रोगी तथा बालक के अतिरिक्त और किसी व्यक्ति को भोजन नहीं करना चाहिए। संध्या समय विधिपूर्वक लक्ष्मी जी का मंडप बनाकर उसे फूल, पत्ते, तोरण, ध्वज और पताका आदि से सुसज्जित करना चाहिए। अन्य देवी-देवताओं सहित लक्ष्मी जी का षोडशोपचार पूजन तथा पूजनोपरांत परिक्रमा करनी चाहिए।' मुनिवरों ने पूछा, 'लक्ष्मी-पूजन के साथ अन्य देवी-देवताओं के पूजन का क्या कारण है?' इस पर सनत्कुमारजी बोले, 'लक्ष्मी जी समस्त देवी-देवताओं के साथ राजा बलि के यहां बंधक थीं। आज ही के दिन भगवान विष्णु ने उन सबको बंधनमुक्त किया था। बंधनमुक्त होते ही सब देवता लक्ष्मी जी के साथ जाकर क्षीर-सागर में सो गए थे।

इसलिए अब हमें अपने-अपने घरों में उनके शयन का ऐसा प्रबंध करना चाहिए कि वे क्षीरसागर की ओर न जाकर स्वच्छ स्थान और कोमल शैय्या पाकर यहीं विश्राम करें। जो लोग लक्ष्मी जी के स्वागत की उत्साहपूर्वक तैयारियां करते हैं, उनको छोडकर वे कहीं भी नहीं जातीं। रात्रि के समय लक्ष्मी जी का आह्वान करके उनका विधिपूर्वक पूजन करके नाना प्रकार के मिष्ठान्न का नैवेद्य अर्पण करना चाहिए। दीपक जलाने चाहिए। दीपकों को सर्वानिष्ट निवृत्ति हेतु अपने मस्तक पर घुमाकर चौराहे या शमशान में रखना चाहिए।'

दीपाभिनंदन



(लेखक -प्रो. शरद नारायण खरे)

माटी दीपक दिव्य आज तो,उसको आज जलाना है।
अगणित दीप जलाकर भू का ,सारा तिमिर मिटाना है।
माटी की छोटी काया ने,गीत सुपावन गाया है।
उसका लड़ना तूफानों से,सबके मन को भाया है।।
उजियारा तो प्रमुदित दिखता,मौसम बहुत सुहाया है।
दीपों ने मंगल गाया है,अँधियारा घबराया है।।
कुम्हारों के कुशल सृजन को,आज जगत ने माना है।
अगणित दीप जलाकर भू का,सारा तिमिर मिटाना है।।
घर-आँगन,हर छत-मुँडेर पर,बैठा नूर सिपाही है।
जो हरदम ही,निर्भय होकर,देता सत्य गवाही है।।
दीपक जलता सकल रात भर,वह तो सच का राही है।
जो लिखता है जीत सुहानी,लेकर कलम-सियाही है।।
दीपक ने तो हर मुश्किल में,कर्मठता को माना है।
अगणित दीप जलाकर हूं का,सारा तिमिर मिटाना है।।
तिमिर काँपता दीप देखकर,दीप बन गया है गामा।
उजियारे में सत्य समाया,अंधकार है ओसामा।।
अवसादों को दूर हटाया, खुशियों का दामन थामा।
आज भावना हर्षाती है,दीप बालती है वामा।।
माटी दीपों ने साहस से,निर्भय होना जाना है।
अगणित दीप जलाकर भू का,सारा तिमिर मिटाना है।।







(लेखिका- डॉ. प्रियंका सौरभ)

- परंपरा, संस्कृति और पर्यावरण संरक्षण का संदेश

आधुनिकता की दौड़ में हम अपनी परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को धीरे-धीरे भूलते जा रहे हैं। दीपावली जैसे पावन पर्व पर मिट्टी के दीये जलाने की परंपरा भी अब सिमटती जा रही है। उनकी जगह इलेक्ट्रॉनिक लाइटों, झालरों और अन्य कृत्रिम रोशनी ने ले ली है। यह बदलाव केवल हमारी सांस्कृतिक परंपराओं को प्रभावित नहीं कर रहा, बल्कि सामाजिक और आर्थिक स्तर पर भी इसके दूरगामी परिणाम दिखाई दे रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण और अपनी सांस्कृतिक विरासत को जीवित रखने के लिए आवश्यक है कि हम दीपावली पर मिट्टी के दीये जलाने तथा पटाखों से परहेज करने का संकल्प लें।

दीपावली का पर्व मिट्टी के दीयों से गहराई से जुड़ा हुआ है। यह हमारी संस्कृति और आस्था में रचा-बसा त्योहार है। मान्यता है कि भगवान श्रीराम के चौदह वर्ष का वनवास पूरा कर अयोध्या लौटने की खुशी में अयोध्यावासियों ने घर-घर दीप जलाकर उनका स्वागत किया था। तभी से कार्तिक मास की अमावस्या को दीपोत्सव मनाने की परंपरा प्रचलित हुई। मिट्टी के दीये जलाना केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक पहचान और प्रकृति से जुड़ाव का भी प्रतीक है।

पिछले दो दशकों में कृत्रिम रोशनी का आकर्षण तेजी से बढ़ा है। आधुनिकता की चकाचौंध में हम अपनी पारंपरिक जीवनशैली से दूर होते जा रहे हैं। दीपावली पर बिजली की रंग-बिरंगी लाइटों और झालरों का प्रयोग बढ़ा है, वहीं तेज आवाज वाले पटाखों ने वायु और ध्वनि प्रदूषण की समस्या को गंभीर बना दिया है। इसका सबसे अधिक प्रभाव पर्यावरण, पशु-पक्षियों, बुजुर्गों, बच्चों और सांस संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोगों पर पड़ता है।

इस बदलाव का एक महत्वपूर्ण सामाजिक और आर्थिक पक्ष भी है। मिट्टी के दीये बनाने वाले कुम्हारों का परंपरागत व्यवसाय धीरे-धीरे प्रभावित हो रहा है। एक समय था जब दीपावली आने से कई सप्ताह पहले लोग कुम्हारों को दीयों के ऑर्डर दे दिया करते थे। उनके परिवार के सभी सदस्य दिन-रात मेहनत करके दीये तैयार करते थे। भले ही उनकी आमदनी बहुत अधिक नहीं होती थी, लेकिन अपनी कला और परंपरा को जीवित रखने का उत्साह उनमें अवश्य रहता था।

आज स्थिति बदल गई है। मिट्टी के दीयों की मांग घटने से कुम्हारों का उत्साह भी कम हुआ है। अनेक परिवार अपने पुश्तैनी व्यवसाय से दूर होकर दूसरे रोजगार अपनाने को मजबूर हैं। दीपावली पर अब कई घरों में केवल प्रतीकात्मक रूप से दो-चार मिट्टी के दीये जलाए जाते हैं, जबकि अधिकांश सजावट इलेक्ट्रॉनिक लाइटों और झालरों से की जाती है। हमें यह समझना होगा कि हमारी छोटी-सी पहल किसी कारीगर के परिवार के जीवन में बड़ा बदलाव ला सकती है। मिट्टी के दीये खरीदकर हम न केवल अपनी संस्कृति को बचाते हैं, बल्कि स्थानीय कारीगरों की आजीविका को भी सहारा देते हैं।

मिट्टी के दीये जलाने की परंपरा का अपना अलग सौंदर्य और महत्व है। सरसों के तेल से जलते दीये की लौ मन को एक विशेष शांति और आत्मीयता का अनुभव कराती है। दीये की सादगी और उसकी प्राकृतिक सुंदरता का मुकाबला कृत्रिम रोशनी नहीं कर सकती। मिट्टी के दीये स्थानीय संसाधनों और पारंपरिक शिल्प से जुड़े होते हैं। हालांकि पर्यावरण संरक्षण के लिए उनका उपयोग करते समय तेल, बाती और अन्य संसाधनों का भी विवेकपूर्ण इस्तेमाल करना चाहिए।

हमारी संस्कृति केवल दीये जलाने तक सीमित नहीं है। इसमें घरों की स्वच्छता, अच्छे पकवान बनाना, मिठाइयाँ बाँटना, पड़ोसियों और जरूरतमंदों को उपहार देना तथा आपसी प्रेम और सद्भाव बनाए रखना भी शामिल है। दीपावली का वास्तविक आनंद तभी है, जब हमारे घर के साथ-साथ दूसरों के जीवन में भी खुशियों का उजाला पहुँचे।

आज की युवा पीढ़ी को विशेष रूप से इस दिशा में जागरूक होने की आवश्यकता है। संस्कृति और परंपराओं को अगली पीढ़ी तक पहुँचाने की जिम्मेदारी युवाओं के कंधों पर है। उन्हें चाहिए कि वे इलेक्ट्रॉनिक सजावट के साथ-साथ मिट्टी के दीयों को भी प्राथमिकता दें। विद्यालयों, सामाजिक संस्थाओं और स्थानीय संगठनों के माध्यम से मिट्टी के दीयों के महत्व तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता अभियान चलाए जाने चाहिए।

दीपावली प्रकाश, प्रेम, सद्भाव और सकारात्मकता का पर्व है। इसे प्रदूषण और दिखावे का उत्सव बनाने के बजाय सादगी और संवेदनशीलता के साथ मनाया जाना चाहिए। पटाखों से होने वाला धुआँ और शोर वातावरण को दूषित करने के साथ अनेक जीव-जंतुओं के लिए भी परेशानी का कारण बनता है। इसलिए हमें पटाखों से दूरी बनाकर स्वच्छ और सुरक्षित दीपावली मनाने का प्रयास करना चाहिए।

आइए, इस दीपावली हम सभी संकल्प लें कि अपने घरों में मिट्टी के दीये जलाएँगे, स्थानीय कुम्हारों से दीये खरीदेंगे, पटाखों से परहेज करेंगे और जरूरतमंदों के जीवन में खुशियों का प्रकाश फैलाएँगे। मिट्टी के दीये हमारी संस्कृति, परंपरा, श्रम और आत्मनिर्भरता के प्रतीक हैं। इन्हें अपनाकर हम अपनी विरासत को अगली पीढ़ी तक पहुँचा सकते हैं।

याद रखिए, दीपावली की असली रोशनी बिजली की झालरों में नहीं, बल्कि मिट्टी के दीयों की लौ, आपसी प्रेम और मानवता के उजाले में है।

सबके पास उजाले हों
डॉ. प्रियंका सौरभ

मानवता का संदेश फैलाएँ,
मस्जिद और शिवाले हों।
नीर प्रेम का भरा हो सबमें,
ऐसे सबके प्याले हों।।
होली जैसे रंग बिखरें,
दीपों की बारात सजी हो।
अँधियारे का नाम न हो,
सबके पास उजाले हों।।
हो श्रद्धा और विश्वास सभी में,
नैतिक मूल्यों के रखवाले हों।
संस्कृति का करें सभी पूजन,
संस्कारों को अपनाने वाले हों।।
चौराहों पर अस्मत न लुटे,
दुशासन फिर न बढ़ पाए।
भूख, गरीबी, आतंक मिटे,
न देश में धंधे काले हों।।
सच्चाई को मिले आजादी,
झूठ पर लग जाएँ ताले हों।
तन को कपड़ा, सिर को छाया,
सबके हिस्से निवाले हों।।
दर्द किसी को छू न पाए,
न किसी आँख से आँसू आएँ।
झोंपड़ियों के आँगन में भी,
खुशियों के दीप जल जाएँ।।
जियो और जीने दो का,
हर मन में संदेश निराला हो।
न चलें किसी पर बरछी-भाले,
नाग न कोई पालने वाला हो।।
नगमों-सा हो जाए जीवन,
फूलों से भर जाए आँगन।
सुख ही सुख हो सबके हिस्से,
एक-दूजे को सब सँभालें।।

(डॉ. प्रियंका सौरभ राजनीति विज्ञान में पीएचडी हैं। वे कवयित्री, सामाजिक चिंतक एवं स्तंभकार हैं। उनकी रचनाओं में सामाजिक सरोकार, सांस्कृतिक चेतना, पर्यावरण संरक्षण, मानवीय संवेदना और समरसता के स्वर प्रमुखता से दिखाई देते हैं।)

(डॉ. प्रियंका सौरभ, पीएचडी (राजनीति विज्ञान), कवयित्री एवं सामाजिक चिंतक हैं।)

दीपावलीः दीप जले, मन उजले

(लेखक- हेमेन्द्र क्षीरसागर

भारतीय संस्कृति में पर्व और त्योहार केवल उत्सव मनाने के अवसर नहीं हैं, बल्कि वे जीवन-दर्शन, आध्यात्मिक चेतना, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक विरासत के संवाहक भी हैं। इन्हीं पर्वों में दीपावली का विशेष स्थान है। कार्तिक मास की अमावस्या को मनाया जाने वाला दीपोत्सव भारत के सबसे बड़े और महत्त्वपूर्ण त्योहारों में से एक है। यह पर्व आध्यात्मिक रूप से अंधकार पर प्रकाश, असत्य पर सत्य और बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है।

दीपावली का मूल संदेश है तमसो मा ज्योतिर्गमय अर्थात् हे प्रभु! हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलिए। उपनिषदों में निहित यह प्रार्थना भारतीय जीवन-दर्शन की उस शाश्वत भावना को अभिव्यक्त करती है। जो मनुष्य को अज्ञान से ज्ञान, निराशा से आशा और नकारात्मकता से सकारात्मकता की ओर प्रेरित करती है।

दीपावली का धार्मिक और सामाजिक महत्त्व भारतीय जनमानस में गहराई से रचा-बसा है। यह पर्व केवल हिंदू धर्म तक सीमित नहीं है, बल्कि सिख, जैन और बौद्ध परंपराओं में भी विभिन्न रूपों में इसका महत्त्व स्वीकार किया गया है। जैन धर्मावलंबी इसे भगवान महावीर के निर्वाण दिवस के रूप में मनाते हैं। वहीं सिख समुदाय के लिए यह पर्व बंदी छोड़ दिवस के रूप में विशेष महत्त्व रखता है। इस प्रकार दीपावली भारतीय उपमहाद्वीप की विविध धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं को जोड़ने वाला उत्सव भी है।

दीपावली मनाने के पीछे अनेक पौराणिक और धार्मिक मान्यताएं प्रचलित हैं। इनमें सबसे लोकप्रिय मान्यता भगवान श्रीराम के अयोध्या आगमन से जुड़ी है। मान्यता है कि चौदह वर्ष का वनवास पूर्ण करने और रावण पर विजय प्राप्त करने के बाद जब भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण अयोध्या लौटे। तब उनके स्वागत में अयोध्यावासियों ने घी के दीपक जलाकर पूरी नगरी को प्रकाश से आलोकित कर दिया। कार्तिक अमावस्या की सघन अंधकारमय रात्रि असंख्य दीपों की रोशनी से जगमगा उठी। तभी से दीपावली को श्रीराम के स्वागत और धर्म की विजय के प्रतीक पर्व के रूप में मनाने की परंपरा प्रचलित हुई।

एक अन्य पौराणिक मान्यता भगवान श्रीकृष्ण द्वारा नरकासुर के वध से संबंधित है। कहा जाता है कि भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी पत्नी सत्यभामा की सहायता से अत्याचारी असुर राजा नरकासुर का अंत किया था। नरकासुर के आतंक और अत्याचार से मुक्ति मिलने की खुशी में लोगों ने दीप जलाकर प्रसन्नता व्यक्त की। इसी घटना की स्मृति में नरक चतुर्दशी और दीपोत्सव मनाने की परंपरा भी जुड़ी हुई है। इसके अतिरिक्त कुछ मान्यताओं में पांडवों के वनवास और उनके पुनः लौटने की खुशी को भी दीपोत्सव की परंपरा से जोड़ा जाता है।

दीपावली का संबंध धन, वैभव और समृद्धि की अधिष्ठात्री देवी मां लक्ष्मी से भी है। पौराणिक मान्यता के अनुसार समुद्र मंथन के दौरान मां लक्ष्मी का प्राकट्य हुआ था। इसी कारण दीपावली की अमावस्या को घर-घर में दीप प्रज्वलित कर मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की जाती है।

भारतीय जनमानस में यह विश्वास है कि स्वच्छता, पवित्रता, सद्भाव और सकारात्मक विचारों से परिपूर्ण वातावरण में सुख-समृद्धि का वास होता है। कुछ परंपराओं में मां काली की आराधना का भी विशेष विधान है। विशेषकर पूर्वी भारत में दीपावली की रात्रि को काली पूजा श्रद्धा और भक्ति के साथ संपन्न की जाती है। इस प्रकार एक ही पर्व विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग धार्मिक मान्यताओं और उपासना पद्धतियों के साथ मनाया जाता है।

वस्तुतः दीपावली का वास्तविक अर्थ केवल घरों, प्रतिष्ठानों और बाजारों को रोशनी से सजाना नहीं है, बल्कि अपने अंतर्मन के अंधकार को दूर करना भी है। दीप स्वयं जलकर दूसरों को प्रकाश देता है। उसका यह गुण हमें परोपकार, त्याग, सहयोग और सेवा की प्रेरणा देता है।



जले, मन उजले तो आए नया सवेरा। ऐसे यह पर्व हमें आत्मचिंतन का अवसर देता है कि हमारे भीतर व्याप्त अहंकार, ईर्ष्या, द्वेष, लोभ और नकारात्मकता जैसे विकार किस प्रकार दूर हों। दीपक

(हेमेन्द्र क्षीरसागर, पत्रकार व लेखक, बालाघाट, मप्र)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1



संक्षिप्त समाचार

टेक-महिंद्रा के पूर्व एशिया हेड की 9 गोलियां मारकर हत्या

फरीदाबाद (एजेंसी)। हरियाणा के फरीदाबाद में टेक महिंद्रा के पूर्व एशिया हेड परमजीत धनखड़ की गोली मारकर हत्या कर दी गई। आरोप है कि पड़ोसी मोनू शर्मा ने शुक्रवार रात अपनी लाइसेंसी पिस्टल से उन पर करीब 15 राउंड फायरिंग की। परमजीत को 9 गोलियां लगीं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, दोनों परिवारों में पार्किंग में



कुत्ते को पॉटी कराने और गाड़ी पार्किंग को लेकर विवाद था। शुक्रवार रात परमजीत जिम से लौटे और अपनी तय जगह पर खड़ी मोनू की गाड़ी हटाने को कहा तो उसने गोलियां चला दीं। वारदात के बाद आरोपी परिवार समेत फरार हो गया। बेटे शौर्य की सूचना पर पहुंची पुलिस को मौके से कारतूसों के खोल मिले। परमजीत सिंगापुर में रहते थे। वे 5 नवंबर को भारत आए थे। उन्हें 24 नवंबर को भांजे की शादी में शामिल होना था। परमजीत का परिवार सेक्टर-21ए की बिल्डिंग नंबर 641 की पहली मंजिल पर रहता है। आरोपी मोनू का परिवार तीसरी मंजिल पर रहता है। सूरजकुंड थाना प्रभारी प्रह्लाद के मुताबिक, 4-5 दिन पहले भी मोनू और शौर्या के बीच झगड़ा हुआ था। हालांकि, तब मामला सुलझ गया था।

उत्तराखंड की राजनीति में 'दुष्कर्म' का तूफान!

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव से पहले सियासी भूचाल खड़ा हो गया है। 23 साल पुराने जेनी प्रकरण में महिला इन्दिरा डेंजी (जैनी) सामने आई है। उन्होंने हरक सिंह रावत पर गंभीर आरोप लगाए हैं। जैनी ने आरोप लगाते हुए कहा कि पहले हरक सिंह रावत के सत्ता में रहने के कारण उसे केस न खुलने और जेल या पागलखाने भेजने की धमकी देकर सैकड़ों पुलिसवालों की मदद से भगा दिया गया था। साल 2002 का जिक्र करते हुए महिला ने बताया कि वह नौकरी की



तलाश में एक कार्यकर्ता के जरिए तत्कालीन मंत्री हरक सिंह रावत के यमुना कॉलोनी स्थित आवास पर पहुंची थी, जहां हरक सिंह रावत ने उसे टिहरी भेजने के बजाय अपने ही घर पर रुकवा लिया था। जैनी मामले में महिला देहरादून पहुंची और प्रेस कॉन्फ्रेंस की। महिला ने अपने साथ हुई घटना की दोबारा सीबीआई जांच की मांग की है। साथ ही उसने डीएनए जांच की भी मांग की है। महिला ने बताया कि वह 2002 में देहरादून आई थी। उस समय उसकी उम्र 16 साल थी। यमुना कॉलोनी में करीब दो महीने रही थी। उसी समय पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत ने उसके साथ दुष्कर्म किया था। उस समय हरक सिंह रावत सत्ता में थे, इसलिए उसकी कोई सुनवाई नहीं हुई थी। महिला ने आरोप लगाया कि उसको पागलखाने में डाल दिया गया था। उस समय वह गर्भवती थी। बता दें कि साल 2003 में स्व. एनडी तिवारी की सरकार थी।

13 हजार फीट की ऊंचाई पर उतरा वायुसेना का गजराज

दुनिया का सबसे ऊंचा एयरबेस, लद्दाख की यह जगह चीन सीमा से 23 किमी दूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना ने शनिवार को अपने भारी मालवाहक विमान आईएल-76 एमडी की लद्दाख के न्योमा एयरबेस पर लैंडिंग करवाई। यह लैंडिंग 13,629 फीट की ऊंचाई पर हुई, जो दुनिया का सबसे ऊंचा एयरबेस है। सेना के मुताबिक, इस विमान की दुनिया के सबसे ऊंचे एयरबेस पर लैंडिंग हुई। न्योमा को मुध-न्योमा भी कहते हैं। यह पूर्वी लद्दाख में है और चीन बॉर्डर से सिर्फ 23 किमी दूर है। नवंबर 2025 में न्योमा को



अपग्रेड करके नया एयरबेस बनाया गया था। तब तत्कालीन एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने सी-130 जे से उतरकर इसका उद्घाटन किया था। सेना के मुताबिक यह दुनिया का सबसे ऊंचा फाइटर-कैपेबल एयरफील्ड है। मतलब साफ है - अब भारत, चीन बॉर्डर के बिल्कुल पास भारी हथियार, गाड़ियां और बड़ी संख्या में सैनिक बहुत तेजी से पहुंचा सकता है। हालांकि, न्योमा पर पहले भी लैंडिंग हुई है। 20 अगस्त 2013 को विमान वहां लैंड किया था।

चीन के साथ लगी सीमा के बेहद करीब है न्योमा एयरबेस

पूर्वी लद्दाख में स्थित न्योमा, चीन के साथ लगी वास्तविक नियंत्रण रेखा के काफी करीब होने के कारण रणनीतिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण है। अधिक ऊंचाई पर स्थित होने के कारण यहां विमानों का संचालन काफी चुनौतीपूर्ण हो जाता है, जिसके लिए बहुत सावधानीपूर्वक योजना बनाने और सटीक क्रियान्वयन की आवश्यकता होती है। यह विमान की बेहतरीन क्षमता का एक शानदार प्रदर्शन है, जिसे इसके चालक दल के असाधारण कौशल, सटीकता और पेशेवर रवैये का समर्थन प्राप्त था। यह एक ऐसा मील का पत्थर है जो भारत की रणनीतिक एयरलिफ्ट क्षमता को और मजबूत करता है। सीमाओं को आगे बढ़ाना। सीमाओं को नए सिरे से परिभाषित करना। इतिहास रचना।

बेहद अहम है विमान की ये सफल लैंडिंग

यह सफल लैंडिंग इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि अधिक ऊंचाई पर भारी परिवहन विमानों को संचालित करना बेहद कठिन परिस्थितियों से भरा होता है। इतनी ऊंचाई पर हवा बहुत पतली होती है, जो विमान को ऊपर उठाने और इंजन के प्रदर्शन को प्रभावित करती है, जिससे टेक-ऑफ और लैंडिंग और भी चुनौतीपूर्ण हो जाती है। 76एमडी रूस में बना चार इंजनों वाला एक भारी परिवहन विमान है, जिसे सैनिकों, उपकरणों और सामान को एक जगह से दूसरी जगह ले जाने के लिए डिजाइन किया गया है। यह भारतीय वायु सेना के लिए दूर-दराज और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्थानों तक कर्मियों और जरूरी सामान को पहुंचाने में अहम भूमिका निभाता है। यह ऐतिहासिक लैंडिंग बेहतरीन उड़ान कौशल, सटीकता और पेशेवर रवैये को दर्शाती है। साथ ही, यह दुनिया के सबसे चुनौतीपूर्ण विमानन वातावरणों में यह हेवी-लिफ्ट ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट की निरंतर परिचालन क्षमताओं को भी उजागर करती है। यह सफल ऑपरेशन भारत की रणनीतिक एयरलिफ्ट क्षमताओं में एक महत्वपूर्ण प्रगति है, खासकर अधिक ऊंचाई वाले उन इलाकों में, जहां कठिन भू-भाग शामिल है।

लॉरेंस गैंग से जुड़ा गैंगस्टर हैरी बॉक्सर अमेरिका में पकड़ाया

वॉशिंगटन (एजेंसी)। लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े गैंगस्टर हैरी बॉक्सर को अमेरिका में हिरासत में लिया गया है। अमेरिकी एजेंसी ने उसे कैलीफोर्निया में हिरासत में लिया है। हैरी अमेरिका में रहकर गैंग की गतिविधियां चला रहा था। उस पर हत्या और रंगदारी समेत कई गंभीर मामले दर्ज हैं। हैरी ने फिल्ममेकर रोहित शेट्टी के घर के बाहर हुई फायरिंग की जिम्मेदारी ली थी। इसके अलावा हैरी पर सलमान खान और कपिल शर्मा समेत अन्य बॉलीवुड हस्तियों को धमकी देने का भी आरोप है। इससे पहले गैंगस्टर हिमांशु भाऊ और नीरज फरीदपुरिया को भी अमेरिका में हिरासत में लिया गया था। ये दोनों भारत में कई आपराधिक मामलों में वांछित हैं। हैरी बॉक्सर पर बॉलीवुड और फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े कई लोगों को धमकी देने के आरोप हैं। इनमें अभिनेता रणवीर सिंह भी शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हैरी ने रणवीर के मैनेजर को वॉइस नोट भेजा था।

ई 20 बना 420 पब्लिक की कार से पेट्रोल चोरी

राहुल बोले-20 की जगह 31.2 फीसदी एथेनॉल मिला ऑयल कंपनियों ने कहा-जांच नियमों के मुताबिक नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेट्रोल में तय सीमा से ज्यादा एथेनॉल मिलने के आरोप पर राहुल गांधी ने केंद्र सरकार को घेरा है। उन्होंने एक्स पर लिखा- 'ई 20 अब 420 बन गया है, जनता की गाड़ी से पेट्रोल चोरी हो रहा है।' राहुल के मुताबिक, कर्नाटक सरकार ने 7 जिलों से पेट्रोल के 14 सैंपल लेकर मान्यता प्राप्त लैब में जांच कराई। इनमें 11 सैंपल में एथेनॉल की मात्रा 20 फीसदी से ज्यादा मिली। इंडियन ऑयल के एक सैंपल में यह



31.2 फीसदी और हिंदुस्तान पेट्रोलियम के सैंपल में 30.5 फीसदी थी। हालांकि, इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम ने जांच के नतीजों पर सवाल उठाए हैं। कंपनियों का कहना है कि सैंपल की जांच तय कानूनी और तकनीकी मानकों के मुताबिक नहीं हुई। ज्यादा एथेनॉल वाला पेट्रोल इस्तेमाल करने से गाड़ियों का माइलेज घट सकता है और मरम्मत का खर्च बढ़ सकता है। आम लोग महंगे पेट्रोल के पैसे दे रहे हैं, लेकिन उनकी गाड़ियां इतनी ज्यादा एथेनॉल वाले पेट्रोल के लिए नहीं बनी हैं।

कमजोर होते ट्रंप, मजबूत होता भारत

अमेरिकी चुनावों के बाद बदल गए हैं समीकरण

वॉशिंगटन की व्यापारिक रणनीति बेहद प्रभावित

अब ज्यादा तेज हो सकती है ट्रेड डील की प्रक्रिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के मिडटर्म चुनाव के नतीजों ने समीकरण बदल दिए हैं। इसने वॉशिंगटन और नई दिल्ली के बीच जारी व्यापार वार्ता को नया मोड़ दे दिया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को मिले राजनीतिक झटके के बाद अब माना जा रहा है कि पलड़ा भारत की तरफ झुक गया है। अमेरिका अपनी अंतरराष्ट्रीय पकड़ और साख दिखाने के लिए भारत के साथ ट्रेड डील को रफ्तार दे सकता है। वैसे एक्सपर्ट्स का कहना है कि एक तरफ जहां भारत को बेहतर मोलभाव का मौका मिलने की संभावना है। वहीं दूसरी ओर अमेरिका की संरक्षणवादी नीतियां और अतिरिक्त टैरिफ की धमकियां कायम रहने की आशंका भी बनी हुई है। अमेरिका के मिडटर्म चुनावों में डेमोक्रेटिक पार्टी के प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) और सीनेट दोनों पर कंट्रोल हासिल कर लेने से ट्रंप को बड़ा झटका लगा है। इस नए परिदृश्य पर थिंक टैंक के संस्थापक अजय श्रीवास्तव का मानना है कि घरेलू राजनीति में कमजोर पड़ने के बाद ट्रंप का फोकस व्यापार समझौतों पर बढ़ेगा। इससे भारत-



अमेरिका के बीच लंबे समय से अटकी ट्रेड डील की प्रक्रिया में तेजी आ सकती है। यह समझौता अगले दो महीनों में अंतिम रूप ले सकता है।

भारत पर जल्दबाजी में शर्तें मानने का दबाव हुआ कम

एमके रिसर्च के मुताबिक, चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की हार के बाद ट्रंप के पास आक्रामक टैरिफ एजेंडा चलाने के मौके काफी हद तक सीमित हो गए हैं। इससे भारत पर जल्दबाजी में शर्तें मानने का दबाव कम होगा। इसके साथ ही नई दिल्ली ज्यादा अनुकूल शर्तों पर बातचीत कर सकेगी। वैसे एजेंसी ने यह भी चेताया है कि वॉशिंगटन की ओर से भारतीय सामानों पर अतिरिक्त 17-19 फीसदी टैरिफ लगाने या रूसी क्रूड तेल की खरीद को मुद्दा बनाने की धमकियों का इस्तेमाल बातचीत में दबाव बनाने के लिए हो सकता है।

अबकी 'शेरथांग' में होगी रक्षामंत्री की दीवाली

भारतीय जवानों ने नाथुला से घुस रहे चीनी सैनिकों को खदेड़ा था



नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार सुबह ही अपना शाम का प्लान बता दिया। उन्होंने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी भी दी। वह बागडोगरा एयरफील्ड जाएंगे और फिर कल यानी 8 नवंबर को सिक्किम जाएंगे, जहां वह जवानों के साथ दीवाली मनाएंगे। शेरथांग युद्ध स्मारक में वह बलिदानी वीरों को श्रद्धांजलि भी देंगे। शेरथांग सिक्किम के नाथूला दर्रे के पास वो जगह हैं, जहां करीब 60 साल पहले भारत-चीन की तीन दिन तक खूनी झड़प चलती रही। इस झड़प में भारतीय जवानों ने चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी को खदेड़ दिया था। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लिखा-आज, दीपावली की पूर्व संध्या पर मैं दार्जिलिंग में बागडोगरा एयरफील्ड और सुकना (सिलीगुड़ी) में भारतीय सेना के जवानों से मुलाकात करके उनसे बातचीत करूंगा। कल यानि दीपावली के दिन मैं सिक्किम स्थित अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सपूतों को श्रद्धांजलि अर्पित करूंगा।

शेरथांग नाथूला दर्रे के पास, यहां है आईटीबीपी की चौकी

शेरथांग सिक्किम के गंगटोक जिले में नाथू ला दर्रे के पास स्थित एक कस्बा है। इस जगह को भारत और चीन के बीच व्यापार के लिए आबकारी, सीमा शुल्क और जांच केंद्र के रूप में चुना गया है। चीन की तरफ इसके सामने रिनकिंगैंग नाम की जगह है। शेरथांग में भारत-तिब्बत सीमा पुलिस की एक चौकी है, जो भारत-चीन सीमा कार्मिक बैठक बिंदुओं (पॉइंट्स) में से एक है। यहां इंडिया पोस्ट और चाइना पोस्ट के बीच हफ्ते में दो बार अंतरराष्ट्रीय डाक का आदान-प्रदान होता है।

भारत को लेकर मोदी और मेरी सोच अलग

सोनिया बोलीं-राजीव से मुलाकात के 60 साल बाद भी मैं वही इंसान हूं, बस पहले जितना हंसती नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। 'राजीव से मुलाकात के 60 साल बाद भी मैं वही इंसान हूं, बस अब पहले जितना हंसती नहीं।' कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने अपनी किताब 'बिलॉन्गिंग ए जर्नी ऑफ लव' में निजी जिंदगी से लेकर सियासी सफर तक के कई अनछुए पहलुओं पर बात की है। 10 नवंबर को लॉन्च होने वाली इस किताब पर 'द हिंदू' को दिए इंटरव्यू में उन्होंने राजीव-इंदिरा गांधी, 2004 में पीएम पद ठुकराने, इमरजेंसी और कांग्रेस के भविष्य पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि भारत को लेकर मोदी और उनकी सोच अलग है।



साथ ही आरोप लगाया कि पिछले 12 साल में देश के लोकतंत्र और संस्थाओं को भारी नुकसान पहुंचा है।

इंदिरा गांधी ने अपनी समझदारी से कदम उठाए- उन्होंने आगे बताया कि उनके पति राजीव गांधी जो भी शिकायतें या प्रतिक्रियाएं सुनते थे, उन्हें अपनी मां तक पहुंचा देते थे। अंत में सोनिया ने कहा कि उनकी सास इंदिरा ने अपनी समझदारी से स्थिति को समझना शुरू कर दिया था और उसे सुधारने के लिए कदम उठाए। उन्होंने अखबार से कहा, मुझे लगता है कि आखिरकार मेरी सास ने अपनी समझदारी से स्थिति को समझना शुरू कर दिया था और उसे सुधारने के लिए कदम उठाए।



अयोध्या में साकार हुई रामराज्य की कल्पना

दीपोत्सव — पुष्पक विमान से सीता और हनुमान सहित पहुंचे श्रीराम

अयोध्या (एजेंसी)। दीपावली के पावन अवसर पर आयोजित दीपोत्सव में त्रेतायुग की परंपरा का सजीव मंचन देखने को मिला। भगवान श्री राम, सीता लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न और हनुमान के स्वरूप पुष्पक विमान रूपी हेलीकॉप्टर से रामकथा पार्क के निकट बने अस्थायी हेलीपैड पर उतरे। यहां गुरु वशिष्ठ की भूमिका निभा रहे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ भगवान के स्वरूपों की भव्य अगवानी की। इसके बाद भगवान श्रीसीताराम के स्वरूप रथ पर सवार होकर रामकथा पार्क पहुंचे।

इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने मंत्रियों के साथ स्वयं रथ खींचकर भगवान का स्वागत किया, जिसका मनमोहक दृश्य देख श्रद्धालु भावविभोर हो गए। त्रेतायुग की इस परंपरा के जीवंत प्रदर्शन ने एक बार फिर सभी को रामराज्य की स्मृतियों से जोड़ दिया।

बनाई गईं विशेष झांकियां, पहुंची शोभायात्रा- रामपथ पर रामायण साकार हो उठी। ढोल-नगाड़ों की गूंज, लोक कलाकारों की थिरकन और जय श्रीराम के उद्घोष के बीच जब रथों पर सजी झांकियां आगे बढ़ीं तो लगा मानो त्रेतायुग अयोध्या की धरती पर उतर आया हो। कहीं प्रभु श्रीराम, लक्ष्मण और माता सीता के दिव्य स्वरूप, कहीं गदा उठाए बजरंगबली का पराक्रम। रामायण के प्रसंगों का सजीव मंचन श्रद्धालुओं को भावविभोर कर रहा था। शोभायात्रा में महिला कलाकार कंधों पर ढोल रखकर थाप दे रही थीं। नगाड़ों और ताशों की गूंज के बीच कलाकारों के करतब और विभिन्न राज्यों के लोकनृत्य रामपथ को उत्सव के विराट मंच में बदल रहे थे। दर्शकों की आंखों में श्रद्धा, चेहरों पर उल्लास और वातावरण में रामनाम की गूंज। दसवें दीपोत्सव की शोभायात्रा में आस्था, संस्कृति और परंपरा का ऐसा संगम दिखाई दिया, जिसने अयोध्या की भव्यता को एक नया आयाम दिया।

दीपावली की बधाई



दीपपर्व दीपावली की सभी देश-प्रदेशवासियों, पाठकगण, विज्ञापन दाताओं व संवाददाताओं को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई।

अवकाश की सूचना

दीपपर्व दीपावली के अवसर पर दिनांक 8 नवंबर 2026 को कार्यालय में अवकाश रहेगा। अत: अगला अंक 10 नवंबर 2026 को प्रकाशित होगा। **संपादक**

श्रद्धालुओं ने सराहा रामायण के प्रसंगों का सजीव मंचन- शोभायात्रा के साक्षी बने उन्नाव के सुशील कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यकाल में अयोध्या का ऐसा दिव्य और भव्य स्वरूप देखने को मिल रहा है। दीपोत्सव और शोभायात्रा देखकर मन आनंदित हो गया। जौनपुर से आए राम कुमार ने रामायण की झांकियों और कलाकारों की प्रस्तुतियों को सराहा। बलरामपुर की सुशीला ने कहा कि रामकथा के सजीव मंचन और लोक कलाकारों की प्रस्तुतियों ने मन मोह लिया। रामपथ पर विराजमान दर्शक और श्रद्धालु शोभायात्रा के हर दृश्य को अपलक निहारते रहे। प्रभु श्रीराम के स्वरूपों के दर्शन कर कई श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। किसी की आंखें श्रद्धा से नम थीं तो कोई हाथ जोड़कर रामनाम में लीन नजर आया। जय श्रीराम के उद्घोष, ढोल-नगाड़ों की गूंज और रामायण के जीवंत प्रसंगों के बीच पूरा रामपथ भक्ति और उल्लास से सराबोर हो उठा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)